दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः 119 | ग्वालियर बुधवार, 15 फरवरी 2023 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

एक नजर

केजरीवाल सरकार ने टीचर्स को फिनलैंड ट्रेनिंग के लिए भेजने वाली फाइल दोबारा एलजी को भेजी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार और उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना के बीच खींचतान कम होती नजर नहीं आ रही. अब टीचर्स की ट्रेनिंग का मामला दोनों के बीच उलझा है. दरअसल, दिल्ली सरकार ने टीचर्स को ट्रेनिंग के लिए फ़िनलैंड भेजने की तैयारी की है, जिसकी फाइल उपराज्यपाल (एलजी) के यहां स्वीकृत नहीं हुई. इस पर दिल्ली सरकार ने फाइल दोबारा स्न को भेजी है. दिल्ली सरकार का कहना है कि फाइल को तत्काल मंजूरी देनी चाहिए. दिल्ली सरकार ने कहा कि स्न टीचर्स ट्रेनिंग में बाधा ना बनें. सरकार का कहना है कि स्न को सुप्रीम कोर्ट के आदेश मानने होंगे. दिल्ली सरकार ने कहा कि स्न का दिल्ली सरकार की सारी फ़ाइलें मंगवाना सुप्रीम कोर्ट के आदेश के ख़िलाफ़ है. दिल्ली सरकार ने स्न पर काम में रुकावट डालने के आरोप लगाते हुए कहा कि ग़रीबों की शिक्षा में बाधा डालना स्न की सामंतवादी सोच दर्शाता है. दिल्ली के शिक्षा मंत्री मनीष सिसौदिया ने ट्वीट कर बताया कि उन्होंने दिल्ली के शिक्षकों को ट्रेनिंग के लिए फ़िनलैंड भेजने का प्रस्ताव दोबारा एलजी के पास भेजा है. इस ट्वीट में सिसौदिया ने चिट्ठी के स्क्रीनशॉट्स भी शेयर किए हैं.

सीएम ने की थी स्न संग बैठक–कुछ ही दिन पहले दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना की बैठक हुई. जहां शिक्षामंत्री मनीष सिसौदिया भी मौजूद थे. ऐसा माना जा रहा था कि बैठक से उनके बीच सब-कुछ सामान्य हो जाएगा. हालांकि ऐसा हुआ नहीं. पिछले कुछ समय से दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना के बीच चिट्ठी की जंग चल रही है.

खत्म नहीं हो रही चिट्ठी की जंग–हाल में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को लिखी दिल्ली के स्न की भी एक चिट्ठी सामने आई, जिसमें स्न ने मुख्यमंत्री केजरीवाल द्वारा विधानसभा की कार्यवाही के दौरान सदन में उनकी ओर से एलजी को लेकर इस्तेमाल किए गए शब्दों को लेकर आपत्ति जताई. उसमें अरविंद केजरीवाल ने एलजी को संबोधित करते हुए कहा था कि 'एलजी कौन है'. एलजी 'कहां से आया एलजी ने कहा कि इन शब्दों का इस्तेमाल करना बहुत अपमानजनक है. दरअसल, अरविंद केजरीवाल ने सदन में स्न की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए बयान दिया था और इस दौरान सदन को ये बताया था कि किस तरह से एलजी चुनी हुई सरकार के कामकाज में रुकावट पैदा कर रहे हैं.

रेसलर्स की अपनी मांगों को लेकर धरना जारी

दिल्ली के जंतर-मंतर पर देश का नाम रोशन कर पदक लाने वाले कुश्ती के पहलवानों का धरना-प्रदर्शन जारी है. पिछले तीन दिनों से जंतर-मंतर पर रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के खिलाफ पहलवान धरना दे रहे हैं. पहलवान रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह का इस्तीफे के साथ-साथ कुश्ती संघ के काम करने के तरीके में बदलाव और खिलाडियों की दिक्कतों का समय पर निवारण करने की मांग कर रहे हैं. इसके पीछे वजह है रेसलर विनेश फोगाट का भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष पर यौन शोषण का आरोप लगाना. उन्होंने कहा है कि हमेशा से कैंप लखनऊ में लगाया जाता है, जिससे महिला रेसलरों का शोषण करने में आसानी हो. रेसलर विनेश फोगाट का आरोप है कि महिला

पहलवानों के साथ हो रहे दुर्व्यवहार की घटनाओं को सरकार के संज्ञान में भी लाया गया, लेकिन उसके बाद भी आरोपी के खिलाफ कोई कार्रवाई नही हुई. इसके बाद विनेश फोगाट का कहना है कि उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी जाने लगी. विनेश फोगाट ने बताया कि यह लड़ाई सिर्फ मेरी नहीं, बल्कि आने वाले पहलवानों के भविष्य की लड़ाई है. साथ ही पहलवानों का यह कहना है कि जब तक भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष के खिलाफ कार्रवाई नहीं की जाएगी और उन्हें पद से नहीं हटाया जाता, तब तक ये धरना जारी रहेगा. वहीं भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह ने मीडिया से बात करते हुए कि किसी भी प्रकार का शोषण नहीं हुआ है. विनेश फोगाट के आरोप सरासर झूठे हैं. अगर अगर यह साबित होता है तो वह फांसी पर लटकने को तैयार है. इस मामले को लेकर गुरुवार रात 10¬30 बजे से तकरीबन 2 बजे तक पहलवानों की खेल मंत्री अनुराग ठाकुर के साथ मीटिंग हुई. खेल मंत्री के साथ मींटिंग में विनेश फोगाट, साक्षी मलिक और बजरंग पूनिया समेत अन्य खिलाड़ी भी मौजूद रहे, लेकिन तकरीबन 4 घंटे की मीटिंग के बाद भी इसका कोई हल नहीं निकल पाया. इस बीच शुक्रवार को फिर से पहलवानों ने 10 बजे खेल मंत्री अनुराग ठाकुर से दूसरी मुलाकात की, जिसमें भी सिर्फ उन्हें आश्वासन मिला है कि करवाई की जाएगी, लेकिन कब और कैसे ये अभी तक साफ नहीं है. इस मामले को लेकर कांग्रेस के नेता और बॉक्सर विजेंदर सिंह ने भी शुक्रवार को 12 बजे पार्टी कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस की. उन्होंने कि वे जंतर-मंतर पर सुबह अपने पहलवान भाइयों से मिलने गए थे, मगर उस दौरान सभी पहलवान वहां नहीं थे और उन्हें प्रेस कॉन्फ्रेंस के लिए कांग्रेस ऑफिस आना पड़ा. विजेंदर सिंह ने कहा, मैं पहले खिलाड़ी हूं, उसके बाद किसी भी पार्टी का कार्यकर्ता. इस मामले को लेकर उन्होंने बीजेपी सरकार पर निशाना साधा और मांग की कि इस पर जल्द से जल्द एक्शन लिया जाए और इंसाफ मिलना चाहिए. उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को फेडरेशन का हिस्सा बनाना चाहिए और उनके सुझावों से ही फेडरेशन चलाना चाहिए.

सनातन हिंदू राष्ट्र से दिक्कत वाले वो दूसरे देश जाएं, मैं कोई चमत्कारी नहीं

सनातन हिंदू राष्ट्र से दिक्कत वाले वो दूसरे देश जाएं, मैं कोई चमत्कारी नहीं न्यूज़ से बोले धीरेंद्र शास्त्री बागेश्वर धाम के कई दिनों से देश-विदेश की सुर्खियों में हैं. उन पर अंधविश्वास को बढ़ावा देने के आरोप लगाए थे. उन्होंने बातचीत में इस सभी मुद्दों पर खुलकर अपनी बात रखी. बागेश्वर बाबा ने कहा कि जब हिंदुस्तान में हिंदू रहते हैं तो इसे हिंदू राष्ट्र क्यों नहीं कहें. जिसको सनातन हिंदू राष्ट्र से दिक्कत है वो

दूसरे देश जाएं.उन्होंने कहा कि मैं कोई चमत्कारी नहीं, मैं साधारण इंसान हूं. मैं केवल बागेश्वर धाम का दास हूं, मैं कोई ईश्वर नहीं हूं. धीरेंद्र शास्त्री पर अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति के अध्यक्ष श्याम मानव ने अंधविश्वास को बढ़ावा देने का आरोप लगाए थे. इन आरोपों की जांच के बाद नागपुर पुलिस ने बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री को क्लीन चिट दी थी. पुलिस ने कहा था कि उन्हें अंधविश्वास फैलाने के सबूत नहीं मिले हैं, नागपुर में कानून का उल्लंघन नहीं हुआ.

प्रधानमंत्री ने पहली बार कबूला.., तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन का पीएम मोदी पर वार

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने पीएम मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री से किसी के सवालों का जवाब दिए बिना घंटों बोलने की कला सीखी है. स्टालिन ने कहा, ÷संसद में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने पीएम मोदी से इतने सवाल पूछे लेकिन पीएम ने एक का भी जवाब नहीं दिया. मैंने पीएम मोदी से ये हुनर सीखा है कि बिना किसी सवाल का जवाब दिए घंटों कैसे बोला जाता है.÷स्टालिन ने कहा, ÷पीएम और बीजेपी सरकार पर कई आरोप हैं, लेकिन उन्होंने किसी बात का जवाब नहीं दिया है. उनका कहना है कि जनता का विश्वास ही उनका सुरक्षा कवच है, लेकिन लोग अब ऐसा नहीं सोचते हैं.÷ उन्होंने कहा, ÷संसद में पीएम की स्पीच में ब?ी-ब?ी बातें तो थीं, लेकिन [illegible] डॉक्यूमेंट्री या अडानी से रिश्तों को लेकर कोई जवाब नहीं था.÷एनडीटीवी के अनुसार, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने कहा, ÷अडानी समूह के खिलाफ आरोप केंद्र की बीजेपी सरकार पर सीधे आरोप हैं. यहां तक कि भारत के मुख्य न्यायाधीश के नेतृत्व में सुप्रीम कोर्ट की एक बेंच भी मामले की गंभीरता से सुनवाई कर रही है, इसलिए संसद में एक चर्चा होनी चाहिए और एक संयुक्त संसदीय समिति की जांच का आदेश दिया जाना चाहिए.

भारतीय मूल की निक्की हेली लड़ेंगी अमेरिका के अगले राष्ट्रपति का चुनाव

भारतीय मूल की रिपब्लिकन नेता निक्की हेली ने मंगलवार (14 फरवरी) को संयुक्त राज्य अमेरिका में 2024 में होने जा रहे राष्टपति चुनाव लड़ने का एलान किया है. इसके लिए उन्होंने अपनी दावेदारी पेश कर दी है. हेली दक्षिण कैरोलाइना की पूर्व गवर्नर और संयुक्त राष्ट में अमेरिका की पूर्व राजदूत रही हैं.2024 राष्टपति चुनाव लड़ने का एलान करने के बाद वो रिपब्लिकन नामांकन के लिए पूर्व राष्टपति डोनल्ड ट्रंप के लिए पहली बड़ी चुनौती बन गई हैं. जबकि उन्होंने दो साल पहले कहा था कि वह 2024 में व्हाइट हाउस के लिए अपने पूर्व बॉस यानी ट्रंप को चुनौती नहीं देंगी.भारतीय मूल की रिपब्लिकन नेता निक्की हेली के संयुक्त राज्य अमेरिका में 2024 में होने वाले राष्टपति चुनाव के लिए अपनी दावेदारी पेश करने के बाद ये साफ हो गया है कि वो पूर्व राष्टपति डोनल्ड ट्रंप के लिए चुनौती पेश करेंगी. उन्होंने एक वीडियो के जरिए राष्टपति चुनावों के लिए अपनी दावेदारी पेश की.दो साल पहले वो ट्रंप के लिए चुनौती नहीं थी, लेकिन अब उन्होंने अपना मन बदल लिया है.

दरअसल भारतीय मूल की अमेरिकन रिपब्लिकन पार्टी नेता निक्की हेली ने जो बाइडन के खिलाफ यूएस के राष्टपति चुनाव 2024 लड़ने के संकेत बीते महीने ही दे दिए थे. उनके माता-पिता भारत के अमृतसर से रहे हैं.फॉक्स न्यूज के इंटरव्यू में जनवरी में अमेरिकन रिपब्लिकन पार्टी नेता निक्की हेली से जब ये पूछा गया था कि क्या वो 2024 का अमेरिका के राष्टपति पद का चुनाव लड़ने जा रही हैं. तो उन्होंने जवाब दिया था.

हैरसमेंट का ऑडियो हमारे पास- विनेश फोगाट का दावा

भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह और कुछ कोचों के खिलाफ कुछ महिला पहलवानों ने गंभीर आरोप लगाए हैं. जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे पहलवानों के साथ बैठीं हरियाणा की पहलवान विनेश फोगाट ने आज मीडिया से बात की, जहां उन्ड़होंने कहा कि आप सब साथ दीजिए.. हम लड़कियों के साथ बुरा हुआ है. विनेश ने कहा, लड़कियों का हैरसमेंट होता था. सुबूत के तौर पर हमारे पास हैरसमेंट का ऑडियो भी है. विनेश ने कहा, आज शाम को हमारी 6 बजे मीटिंग है. सरकार के समक्ष हम अपनी सारी मांगें रख रहे हैं. वे मांगें कौन सी हैं और क्या होता था। मीडियाकर्मियों के इस सवाल पर विनेश ने कहा, ऐसे

डिस्क्लोज नहीं कर सकते. लड़कियों से जुड़ा मामला है. विनेश का कहना है कि हम यहां आत्म सम्मान की लड़ाई के लिए आए हैं. उन्ड़होंने कहा कि हमारे परिजन भी हमारा साथ दे रहे हैं और उनका कहना है कि जो हुआ वैसा किसी एक लड़की के साथ नहीं हुआ..बहुत सारी लड़कियां हैं, जिन्ड़हें प्रताड़ित किया जा रहा था. कड़या पहलवानों को सरकार से मदद नहीं मिलीड़ इस पर उन्ड़होंने कहा- हम शुरू से बोल रहे हैं कि हम सरकार के खिलाफ नहीं है. जब मेरे साथ परेशानी आई थी तो प्रधानमंत्री जी मेरे साथ खड़े थे. उन्ड़होंने कहा कि हम सब मिलकर सरकार के सामने अपनी बातें रखेंगे. सरकार की बात है.. तो हम उनको बताएंगे कि में कैसे शोषण किया जाता था.

सीएम अशोक गहलोत ने बताया कोरोना तो क्या-क्या बोल गए सचिन पायलट

नई दिल्ली। राजस्थान में विधानसभा 2023 के आखिर में होना है, लेकिन कांग्रेस की आतंरिक कलह थमने का नाम

नहीं ले रही है. कांग्रेस नेता सचिन पायलट और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत आए दिन एक दूसरे पर निशाना साध रहे हैं. इसी बीच पायलट ने इशारों में गहलोत के कोरोना वाले बयान पर शुक्रवार (20 जनवरी) को जवाब दिया है, पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट ने जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल में मीडिया से बात करते हुए, हम जब सरकार में नहीं थे तो हमने बीजेपी सरकार (वसुंधरा राजे) को भ्रष्ट बताया था. लोगों ने हमारे पर भरोसा भी किया. कालीन घोटाला हो या ललित मोदी मामला सभी हमने तथ्यों के साथ उठाए. हमने वादा किया था कि सरकार आने पर कार्रवाई करेंगे. मैं उम्मीद करता था कि पिछले तीन-चार सालों में ठोस कार्रवाई होती लेकिन ऐसा नहीं हुआ. मैं कोई बदले की बात नहीं कर रहा, लेकिन जो भी घोटाले हुए उसको लेकर कार्रवाई करनी चाहिए थी. अब सिर्फ एक साल बचा है. हालांकि उन्होंने वसुंधरा राजे का नाम नहीं लिया. मुख्यमंत्री गहलोत ने इस पर जवाब देते हुए कहा था कि पेपर लीक मामले में जिन लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई है वे सरगना ही हैं. उन्होंने बिना नाम लिए कहा था कि मैंने मीटिंग करना फिर शुरू कर दिया, लेकिन हमारी पार्टी में कोरोना है. साथ ही एक बड़ा कोरोना भी पार्टी में आ गया है.

लगातार कर रहे हैं हमला–कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने पर्चा लीक मामले को लेकर बुधवार (18 जनवरी) को राजस्थान की अशोक गहलोत सरकार पर फिर से निशाना साधा था. उन्होंने कहा था कि अब ये कहा जा रहा है कि पेपर लीक प्रकरण में कोई अधिकारी, नेता लिप्त नहीं था तो परीक्षा की कॉपी जो तिजोरी में बंद होती है वह बंद तिजोरी से बाहर बच्चों तक पहुंच गई. यह तो जादूगरी हो गई भई. ऐसे कैसे हो सकता है. ऐसा संभव नहीं है. इसके साथ ही पायलट ने कहा, ''कोई न कोई तो जिम्मेदार होगा और जांच चल रही है इसकी मुझे खुशी है, मैं स्वागत करता हूं इस जांच का. मैं विश्वास दिलाता हूं कि हमारी पार्टी, हमारे नेता राहुल गांधी और अन्य ने, हमने हमेशा युवाओं की मदद करने का काम किया है.'' उन्होंने साथ ही कहा ता कि मामले में सरगनाओं% को गिरफ्तार किया जाना चाहिए.

बिहार की जातीय जनगणना पर रोक लगाने से सुप्रीम कोर्ट ने मना किया

नई दिल्ली। बिहार में हो रही जातीय जनगणना के खिलाफ याचिका सुनने से सुप्रीम कोर्ट ने मना कर दिया है. कोर्ट ने याचिका को प्रचार के लिए दाखिल बताया. साथ ही, याचिकाकर्ता से यह भी कहा कि वह चाहे तो हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर सकता है. सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस बी आर गवई और विक्रम नाथ की बेंच के सामने 3 याचिकाएं सुनवाई के लिए लगी थीं. यह याचिकाएं एनजीओ एक सोच एक प्रयास, बिहार के नालंदा के रहने वाले

अखिलेश कुमार और हिंदू सेना के अध्यक्ष विष्णु गुप्ता की थीं. इन याचिकाओं में कहा गया था कि जनगणना अधिनियम के तहत राज्य सरकार को जनगणना का अधिकार ही नहीं है. एक याचिका में यह भी कहा गया था कि जातीय जनगणना प्रक्रिया सर्वदलीय बैठक में हुए निर्णय के आधार पर शुरू की गई है. सिर्फ यह किसी सरकारी फैसले का आधार नहीं हो सकता. बिना विधानसभा से कानून पास किए इसे करवाया जा रहा है। इसलिए, इसे रद्द किया जाए. सुप्रीम कोर्ट ने याचिका हाईकोर्ट की बजाय अपने पास दाखिल होने पर सवाल उठाया. जस्टिस गवई ने कहा कि याचिकाकर्ताओं को हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाना चाहिए. उन्होंने अहम टिप्पणी करते हुए यह भी कहा कि अगर इस तरह की जनगणना नहीं होगी, तो राज्य आरक्षण जैसी नीति को सही तरीके से कैसे लागू कर पाएगा. बता दें कि एक याचिकाकर्ता ने मामले को तत्काल सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किए जाने का अनुरोध किया था, जिस पर 11 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि वह इस मामले पर सुनवाई 20 जनवरी को करेगी. इसको लेकर ही सुप्रीम कोर्ट ने यह तमाम बातें कही है.

त्रिपुरा में आखिर क्यों हुआ कांग्रेस और लेफ्ट का गठबंधन?

पूर्वोत्तर के राज्य त्रिपुरा में चुनाव को लेकर सियासी गर्मी बढ़ गई है. सभी पार्टियां जोर-शोर से प्रचार में जुटी हुई हैं. इस चुनाव में पहली बार लेफ्ट और कांग्रेस एक साथ नजर आ रही हैं. एक-दूसरे की धुर-विरोधी रहीं [illegible] और कांग्रेस के बीच आखिर गठबंधन कैसे हुआ, इसका जवाब खुद [illegible]पोलित ब्यूरो की सदस्य वृंदा करात ने दिया.कांग्रेस और लेफ्ट के गठबंधन पर बात करते हुए वृंदा करात ने कहा कि संविधान को बचाने के लिए दोनों दल एक साथ आए हैं. द लल्लनटॉप से बातचीत में सीपीएम नेता ने कहा, ÷हर संस्था को आज खत्म किया जा रहा है. हर ऑटोनॉमी को आज खतरा है. पूरे संविधान पर हमला हो रहा है. देश के संविधान के बचाव के लिए और देश के बचाव के लिए हम लोग साथ आए हैं.उन्होंने कहा, ÷हमारा फोकस बीजेपी और आरएसएस के हिंदुत्व के एजेंडे के खिलाफ है. हम केवल त्रिपुरा में ही नहीं पूरे देश में लोगों का साथ देंगे और उनका साथ लेंगे. पूरे देश के इतिहास को तोड़-मरोड़कर पढ़ाया जा रहा है.÷ लेफ्ट-कांग्रेस गठबंधन को लेकर पीएम मोदी पलटवार करते हुए वृंदा करात ने कहा, ÷मोदी जी अपने गठबंधन के बारे में कभी कुछ नहीं बताते हैं. वह कितने गठबंधन खो चुके हैं, वो नहीं बताते हैं.÷ बीजेपी सरकार पर हमला करते हुए सीपीएम नेता ने कहा, ÷त्रिपुरा में बीजेपी की सरकार में [illegible]के कार्यकर्ताओं को मारा-पीटा गया, हमारी पार्टी के कार्यालयों को जलाया गया. बीजेपी सरकार में आतंक का माहौल था. लोग बोलने से भी डर रहे थे. लोग

अब हिम्मत कर रहे हैं. अब वे बदलाव चाहते हैं.÷ सत्ता में वापस आने पर उन्होंने कई चीजों में बदलाव करने का वादा किया. उन्होंने कहा, ÷इन लोगों ने पूरा सिलेबस बदल दिया. ये बच्चों को क्या सिखा रहे हैं. हम सेक्युलरिज्म की तरफ वापस ले जाएंगे.पीएम मोदी के आरोपों पर पलटवार करते हुए करात ने कहा, ÷हमारी सरकार में अगर इतना दमन होता तो उसके सबूत कहां हैं. कोई शिकायत तक नहीं है. 2018 का चुनाव एकदम शांतिपूर्ण तरीके से हुआ था. एक भी जगह माहौल नहीं बिगड़ा था. एक भी व्यक्ति ऐसा नहीं था जो यह कहता हो कि हम वोट नहीं दे पाए. कांग्रेस को तोड़कर जिन लोगों ने सरकार बनाई वो अपने बचाव का रास्ता निकाल रहे हैं.÷सीपीएम के हाथों से सत्ता जाने का कारण बताते हुए करात ने कहा, ÷कांग्रेस और टीएमसी के लोगों को लेकर बीजेपी ने चुनाव लड़ा था. त्रिपुरा के लोगों ने इन लोगों पर विश्वास किया था. अब प्रधानमंत्री उस पर कुछ नहीं बोल रहे हैं. एंटी इनकंबेंसी के बाद भी कम्युनिस्ट पार्टी काफी बेहतर लड़ी थी. उस वक्त हमारे पास रिसोर्सेस की कमी सामने आई थी.÷ उन्होंने कहा, ÷कॉमन मैनुअल प्रोग्राम जनमत पर होगा. हम अपने मैनिफेस्टो के प्रति प्रतिबद्ध हैं. यदि हमें जनमत प्राप्त होता है तो हम उसे लागू करेंगे.÷ अडानी मामले पर पीएम मोदी को घेरते हुए वृंदा करात ने कहा, ÷प्रधानमंत्री पूरी दुनिया के बारे में बात करेंगे, लेकिन देश के साधनों की लूट करने वाले अडानी के बारे में एक बात नहीं करते. अडानी का नाम लेने में उनकी जुबान चुप हो जाती है.÷ इससे पहले एक चुनावी रैली में उन्होंने कहा था, ÷वे धर्म के नाम पर राजनीति कर रहे हैं. हिंदुत्व की उनकी विचारधारा का धर्म के रूप में हिंदू धर्म से कोई लेना-देना नहीं है. यह चुनावी लाभ के लिए हमारे लोगों को बांटने का एक राजनीतिक औजार है.÷

जस्टिस नजीर की राज्यपाल के रूप में नियुक्ति का विरोध करने वाले जरा अपनी गिरेबां में झांकें

जस्टिस नजीर के सुप्रीम कोर्ट में लगभग छह साल के कार्यकाल को भी देखें तो इस दौरान उन्होंने तमाम बड़े फैसले दिये लेकिन कुछ लोगों की गाड़ी क्यों सिर्फ अयोध्या विवाद, ट्रिपल तलाक और कुछ अन्य मामलों पर ही अटक गयी है? उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश एस अब्दुल नजीर को आंध्र प्रदेश का राज्यपाल बनाये जाने पर विपक्ष भड़क गया है। हालांकि ऐसा नहीं है कि पहली बार किसी पूर्व न्यायाधीश को राज्यपाल बनाया गया है। देश के विभिन्न उच्च न्यायालयों और शीर्ष न्यायालय में सेवाएं दे चुके न्यायाधीशों को राज्यपाल बनाया जाता रहा है। यहां तक कि भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश तक राज्यपाल बनाये जा चुके हैं, ऐसे में सवाल उठता ही है कि अब ऐसा क्या हो गया कि जस्टिस नजीर के विरोध में आवाज बुलंद की जा रही है। न्यायाधीश पद पर रहते हुए कोई भी व्यक्ति तमाम मुकदमों पर फैसले सुनाता है। हर फैसला किसी एक के पक्ष में और दूसरे के विपक्ष में होता ही है। क्या हम न्यायाधीशों का आकलन इस आधार पर करेंगे कि उन्होंने हमारे से जुड़े किसी मुकदमे पर क्या फैसला दिया था? किसी भी न्यायाधीश को फैसला करते समय भावनाएं नहीं सबूतों पर ध्यान देना होता है। न्यायाधीशों को संविधान और कानून द्वारा तय किये मार्ग के आधार पर ही फैसला सुनाना होता है, ऐसे में कई फैसले ऐसे हो सकते हैं जो हमारे मन मुताबिक नहीं हों। अगर कोई फैसला हमारे मन मुताबिक नहीं है तो क्या हम भारत की न्यायपालिका पर सवाल उठा देंगे? जस्टिस नजीर के सुप्रीम कोर्ट में लगभग छह साल के कार्यकाल को भी देखें तो इस दौरान उन्होंने तमाम बड़े फैसले दिये लेकिन कुछ लोगों की गाड़ी क्यों सिर्फ अयोध्या विवाद, ट्रिपल तलाक और कुछ अन्य मामलों पर ही अटक गयी है? जिस तरह से भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई को राज्यसभा में राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत करने पर विपक्ष ने हंगामा किया था और अब जस्टिस नजीर को राष्ट्रपति द्वारा आंध्र प्रदेश का राज्यपाल मनोनीत किये जाने पर हंगामा किया जा रहा है, क्या वह यह नहीं दर्शाता कि विपक्ष आज भी अयोध्या विवाद का समाधान निकल जाने की बात को पचा नहीं पाया है? सवाल उठता है कि क्या जस्टिस नजीर पर हो रहे हमले का मुख्य कारण अयोध्या विवाद ही है? सवाल यह भी उठता है कि जब कांग्रेस ने न्यायाधीश पद पर रहे लोगों को राज्यपाल बनाया, उन्हें विभिन्न आयोगों का चेयरमैन बनाया या उनकी योग्यता अनुरूप उन्हें ऐसे पदों पर बिठाया जहां उनके अनुभव का लाभ देश को मिल सके तब क्यों उसमें कुछ भी संविधान विरुद्ध नहीं था लेकिन जब वर्तमान सरकार ऐसा कर रही है तो वह संविधान विरुद्ध कैसे हो गया? जरा कांग्रेस और माकपा की ओर से लगाये गये आरोपों पर नजर डालिये एकदम साफ हो जायेगा कि सिर्फ विरोध के लिए विरोध की राजनीति की जा रही है। जबकि जस्टिस नजीर की नियुक्ति के विरोध का कोई आधार है ही नहीं। हम आपको बता दें कि जस्टिस नजीर पर हो रहे राजनीतिक हमलों के बीच केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजीजू ने प्रत्यक्ष तौर पर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा है कि पूरा

इकोसिस्टम एक बार फिर इस मुद्दे पर सक्रिय हो गया है।" उन्होंने किसी का नाम लिये बिना कहा कि उन्हें समझना चाहिए कि अब वे भारत को व्यक्तिगत जागीर नहीं मान सकते। रिजीजू ने ट्विटर पर कहा कि भारत संवैधानिक प्रावधानों पर निर्देशित होगा। उधर, जहां तक कांग्रेस की ओर से किये गये विरोध की बात है तो आपको बता दें कि कांग्रेस ने उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश एस अब्दुल नजीर को राज्यपाल नियुक्त किये जाने को लेकर मोदी सरकार की आलोचना करते हुए इस तरह की नियुक्तियों के खिलाफ भाजपा के दिवंगत नेता अरुण जेटली की टिप्पणियों का जिक्र किया है। कांग्रेस ने साथ ही, इस कदम को न्यायपालिका की स्वतंत्रता के लिए एक गंभीर खतरा करार दिया है। कांग्रेस प्रवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा, "भाजपा के एक कद्दावर (दिवंगत) नेता अरुण जेटली ने पांच सितंबर 2013 को संसद में और कई बार इसके बाहर भी कहा था कि सेवानिवृत्ति के बाद पद पाने की आकांक्षा सेवानिवृत्ति से पूर्व के फैसलों को प्रभावित करती हैं। यह न्यायपालिका की स्वतंत्रता के लिए खतरा है। उन्होंने जेटली की टिप्पणी का संदर्भ देते हुए कहा, हम व्यक्तियों या निजी व्यक्ति के बारे में बात नहीं कर रहे हैं। व्यक्तिगत रूप से मैं इस व्यक्ति (नजीर) का काफी सम्मान करता हूं। मैं उन्हें जानता हूं, यह उनके बारे में कहीं से नहीं है। सिद्धांत के तौर पर हम इसका विरोध कर रहे हैं। सिद्धांत के तौर पर हमारा मानना है कि यह न्यायपालिका की स्वतंत्रता को एक गंभीर खतरा है...। सिंघवी ने कहा, इसलिए, हम इसकी निंदा करते हैं, हम इसका विरोध करते हैं और हम इससे सहमत नहीं हैं। दूसरी ओर, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के नेता एवं राज्यसभा सदस्य ए.ए. रहीम ने नजीर को राज्यपाल के तौर पर नियुक्त करने के केंद्र के फैसले की आलोचना करते हुए कहा है कि यह भारतीय लोकतंत्र के लिए एक धब्बा है। माकपा सांसद ने कहा कि उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश को नियुक्त करना निंदनीय है क्योंकि यह देश के संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप नहीं है। रहीम ने फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा, 'नजीर को इस पेशकश को मानने से इंकार कर देना चाहिए।' उन्होंने कहा कि देश का अपनी न्याय प्रणाली में भरोसा नहीं खोना चाहिए। इसके अलावा तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा ने तो आंध्र प्रदेश के नवनियुक्त राज्यपाल को बेशर्म करार दे दिया है। वहीं, विपक्ष के आरोपों पर पलटवार करते हुए भाजपा के मुख्य प्रवक्ता अनिल बलूनी ने कहा है कि हर मुद्दे को राजनीतिक रंग देना कांग्रेस की आदत है और यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि विपक्षी पार्टी राज्यपालों की नियुक्ति पर भी ऐसा ही कर रही है। उन्होंने कहा, पूर्व न्यायाधीशों को अतीत में अनगिनत मौकों पर विभिन्न पदों पर नियुक्त किया गया है। हमारा संविधान भी कहता है कि न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति बाद नियुक्तियों में कुछ भी गलत नहीं है। उधर, आंध्र प्रदेश अपने नये राज्यपाल के स्वागत के लिए आतुर है। राज्य के मुख्यमंत्री वाईएस जगनमोहन रेड्डी ने राज्य के नए राज्यपाल के तौर पर एस अब्दुल नजीर की नियुक्ति का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि वह आंध्र प्रदेश की पूर्ण क्षमता का इस्तेमाल करने के लिए नए राज्यपाल के साथ मिलकर काम करने को इच्छुक हैं। रेड्डी ने ट्वीट किया, "नए राज्यपाल एस अब्दुल नजीर गारु का हमारे खूबसूरत राज्य आंध्र प्रदेश में स्वागत करना मेरा सौभाग्य है। मैं आंध्र प्रदेश की पूर्ण क्षमता का इस्तेमाल करने के लिए उनके साथ काम करने का इच्छुक हूं। स्वागत है मान्यवर। बहरहाल, हम आपको एक बार फिर बता दें कि नजीर राम जन्म भूमि-बाबरी मस्जिद विवाद मामले में 2019 में ऐतिहासिक फैसला सुनाने वाली उच्चतम न्यायालय के पांच न्यायाधीशों की पीठ का हिस्सा रहे थे। इसके अलावा नाजीर, तत्काल तलाक और व्यक्तिगत निजता के अधिकार को मूल अधिकार घोषित करने सहित कई महत्वपूर्ण फैसले सुनाने वाली पीठ में भी शामिल रहे थे। लेकिन सिर्फ यही वह फैसले नहीं हैं जिनकी वजह से हमारा न्यायिक इतिहास गौरवान्वित हुआ है। जस्टिस नजीर कई और भी महत्वपूर्ण फैसलों में शामिल रहे हैं जिनकी वजह से देश का विश्वास न्यायपालिका पर और मजबूत हुआ है।

बच्चे किसी काम में नहीं कर पा रहे फोकस तो पेरेंट्स ऐसे बनाएं उन्हें शॉर्प

कोई काम पर ध्यान लगाने के लिए सबसे जरूरी चीज है एकाग्रता। लेकिन खुद को किसी काम में लगा पाना बहुत ही मुश्किल है इस समस्या से सिर्फ बच्चे ही नहीं बल्कि बड़े भी जूझ रहे हैं। परंतु बड़े लोग तो मेडिटेशन के साथ फोकस पावर बढ़ा सकते हैं लेकिन छोटे बच्चों में एकाग्रता बढ़ाना थोड़ा मुश्किल हो सकता है कई बार तो बच्चे किसी चीज पर फोकस न कर पाने के कारण चिड़चिड़े स्वभाव के भी हो जाते हैं। ऐसे में पेरेंट्स बच्चों की फोकस पावर बढ़ाने के लिए यह तरीके अपना सकते हैं। आइए जानते हैं इनके बारे में...

फीलिंग्स शेयर करना सिखाएं

अगर बच्चे अपने मन में किसी बात को लेकर परेशान रहते हैं तो इस कारण भी वह किसी चीज में ध्यान नहीं लगा पाएंगे। ऐसे में आप बच्चों के साथ इमोशनली जुड़े रहने का प्रयास करें। बच्चे के साथ हर किसी मुद्दे पर बात करें। इससे बच्चे की परेशानी कम होगी और उनका ध्यान भी किसी काम पर लग पाएगा।

एक्सरसाइज करवाएं

एक रिसर्च के अनुसार, बच्चे में एकाग्रता बढ़ाने के लिए एक्सरसाइज और खेलना कूदना आवश्यक है। यदि बच्चे सुबह सुबह पैदल जाते हैं तो यह आदत उनकी पढ़ाई में बहुत ही काम आती है। इसके अलावा होमवर्क के बीच में भी बच्चे यदि 15 मिनट का ब्रेक लेते हैं तो इससे उन्हें अपना फोकस बढ़ाने में मदद मिलेगी।

पर्याप्त नींद भी है जरूरी

फोकस बढ़ाने के लिए बच्चे को पर्याप्त मात्रा में नींद लेनी चाहिए। बच्चे को कम से कम 10 12 घंटे की नींद जरूर दिलवाएं। उनका सोने का पैटर्न भी बिल्कुल न बदलें और उन्हें एक रुटीन फॉलो करने के कहें। इसके अलावा बच्चे को जल्दी सोने और जल्दी जागने की आदत जरूर डालें। इससे उनकी फोकस पावर बढ़ेगी।

मेमोरी बूस्टर गेम्स खिलवाएं

आप बच्चे को मेमोरी बूस्टर गेम्स खिलवा सकते हैं, इससे उनका फोकस पावर सुधरेगा। नंबर मिसिंग गेम, पहेली, कार्ड गेम्स बच्चों को आप खिलवा सकते हैं। इसके अलावा बच्चों को कोई गैजेट्स देने के अलावा आप यह गेम्स खिलवा सकते हैं।

अच्छी डाइट खिलाएं

बच्चों को आप फ्रेश और हैल्दी डाइट खिलाएं। हरी सब्जियां, मीट, अंडे, फिश, फल डाइट में शामिल कर सकते हैं। इसके अलावा मीठी चीजों से परहेज करवाएं। बच्चे को डिहाइड्रेटेड न होने दें उन्हें भरपूर मात्रा में पानी पीने की आदत डालें।

न होने दें डिस्ट्रैक्ट

बच्चों को टीवी या मोबाइल के आगे बिठाने के कारण वह डिस्ट्रैक्ट हो सकते हैं। ऐसे में यदि आप भी बच्चों के सामने इन चीजों का इस्तेमाल करेंगे तो उनका फोकस पढ़ाई में कम हो पाएगा। पढ़ाई के दौरान आप इलेक्ट्रिक डिवाइस को उनसे दूर रखें और उन्हें अच्छे से स्टडी पर ध्यान देने दें।

सत्यम शिवम सुंदरम एक्ट्रेस जीनत अमान ने किया इंस्टाग्राम डेब्यू, 71 साल की उम्र में खोला इंडस्ट्री का ये राज

70 के दशक की दिग्गज अभिनेत्री जीनत अमान किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। जीनत अमान अपनी एक्टिंग और खूबसूरती के अलावा उस दौर की सबसे बोल्ड एक्ट्रेस थीं। 70 और 80 के दशक में ना जाने कितनी फिल्मों में उन्होंने बोल्ड सीन्स दिए हैं, जिनके बदौलत एक्ट्रेस ने खूब सुर्खियां भी बटोरी थी। जीनत आज भी किसी ना किसी वजह से चर्चा में छाई रहती हैं। इन दिनों जीनत अमान एक बार फिर सुर्खियों में बनी

हुई हैं। दरअसल, जीनत अमान ने बाकि स्टार्स की तरह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एंट्री ली है। अदाकारा ने इंस्टाग्राम डेब्यू किया है और उन्होंने इंस्टाग्राम अकाउंट बनाते ही धूम मचा दी है। जीनत अमान के इंस्टाग्राम पर आने से एक्ट्रेस के फैंस खुशी से झूम उठे हैं और एक्ट्रेस के आते ही 10 हजार से ज्यादा फॉलोवर्स भी हो गए हैं। इसी बात से साफ होता है कि आज भी एक्ट्रेस की फैन फॉलोइंग में कोई कमी नहीं आई है। जीनत के फैंस उनके इस कदम पर उनकी हौसला अफजाई भी कर रहे हैं। इसी के साथ एक्ट्रेस की इंस्टाग्राम पोस्ट चर्चा में बना हुआ है। 71 साल की उम्र में इंस्टाग्राम डेब्यू करने वाली जीनत अमान ने अपनी कुछ फोटो शेयर की है जिसे फैंस खूब पसंद कर रहे हैं। इसी के साथ एक्ट्रेस ने पोस्ट शेयर करते हुए बताया है कि 1970 के दशक में फिल्म और फैशन इंडस्ट्री पुरुष प्रधान हुआ करती थी। सामने आई फोटो में जीनत अमान कैजुअल लुक में कुर्सी पर बैठी हुई नजर आ रही है। फोटो को शेयर करते हुए अदाकारा ने कैप्शन में लिखा, 70 के दशक में फिल्म और फैशन इंडस्ट्री पूरी तरह से पुरुष प्रधान थी और मैं अक्सर सेट पर अकेली महिला होती थी।

बिना लिपस्टिक के गुलाबी रहेंगे आपके होंठ, बस आजमाने होंगे ये 4 घरेलू नुस्खे

जब बात त्वचा की देखभाल की आती है तो हमारे होंठ हमारे चेहरे का सबसे अनदेखा हिस्सा हो जाते हैं। जब हमारे होंठ हमारे चेहरे का सबसे अनदेखा हिस्सा हो जाते हैं। जब हमारे काले या फट रहे होंठों पर पड़ती है, तब भी हम उसे ज्यादा गंभीरता से नहीं लेते, पर चेहरे की खूबसूरत में लिप्स बहुत बड़ा रोल निभाते हैं। ऐसे में अगर आप भी अपने काले पड़ रहे पिगमेंटेड लिप्स से छुटकारा पाना चाहते है और किस है पर इसे पिंक और सॉफ्ट बनाना चाहते हैं तो बस आपको जरूरत है अपने घर के किचन में जाने की। घर कि रसोई में मौजूद कुछ चीजों का इस्तेमाल कर आप वापस नरम और गुलाबी होंठ पा सकते हैं...

कैसे पाएं गुलाबी होंठ

अनार

होंठों का कालापन हल्का करने के लिए सबसे पॉपुलर होम रेमेडीज में से एक अनार के बीज का उपयोग करना है। अनार के

दानों को थोड़े ठंडे दूध के साथ पीसकर गाढ़ा पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को अपने होठों पर हफ्ते भर लगाएं। ऐसा करने से आपके होंठ गुलाबी होते चले जाएंगे।

दूध और हल्दी

हल्दी और दूध के अनगिनत फायदे हैं। दूध और हल्दी को जहां त्वचा में निखार लाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है तो सर्दी खांसी में हल्दी और दूध पीना बहुत फायदेमंद होता है। आप हल्दी और पिंक लिप्स पाने के लिए भी इस मिश्रण का इस्तेमाल कर सकते हैं। एक चम्मच हल्दी पाउडर को थोड़े से ठंडे दूध में मिलाकर पेस्ट बना लें। इसे अपने होंठों पर लगाएं और 5 मिनट तक रहने दें और फिर गर्म पानी से धो लें।

चुकंदर का रस

भले ही आपको एक गिलास चुकंदर का रस पीना किसी सजा से कम ना लगे, लेकिन क्या आप जानते हैं कि चुकंदर का रस आपके होंठ चुकंदर की तरह गुलाबी बना सकता है। दरअसल चुकंदर के रस का रोजाना इस्तेमाल करने से आपके होंठ नेचुरली पिंक हो जाते हैं। बीट रूट का जूस अपने लिप्स पर रोजाना अप्लाई करने से होंठों का कालापन हल्का हो जाता है।

एलोवेरा जेल

होंठों के कालेपन से छुटकारा पाने के लिए एलोवेरा जेल एक नेचुरल और इफेक्टिव तरीका है। एलोवेरा जेल में कई तरह की मेडिसिनल प्रॉपर्टीज होती है जो स्किन प्रॉब्लम्स को दूर करने में मदद करती हैं। ऐसे में रोजाना लिप्स पर एलोवेरा जेल अप्लाई करने से आपके होंठों का कालापन तो दूर होगा ही लिप्स दोबारा पिंक और सॉफ्ट हो जाएंगे।

खारी पंचायत में ब्यूटी पार्लर का 15 दिवसीय प्रशिक्षण शुरू, देगा महिला उधमिता के लिए नए अवसर

सीहोर। आज सीहोर की खारी पंचायत में शोध संस्था, भोपाल द्वारा नाबार्ड भोपाल के सहयोग से 15 दिवसीय ब्यूटी पार्लर कोर्स का शुभारंभ किया गया।शोध (सोसायटी फॉर डेवलपमेंट ऑफ़ ह्यूमैनिटी) और नाबार्ड भोपाल के द्वारा संयुक्त रूप से क्षेत्र में उद्यमिता विकास हेतु प्रयास किए जा रहे है, इसी क्रम में महिलाओं में उधमिता विकास हेतु खारी पंचायत के स्वयं सहायता समूहों की कुल 30 महिला सदस्यों को ब्यूटी पार्लर कोर्स का प्रशिक्षण शुरू किया गया हैखारी पंचायत में महिला स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं और युवतियों में ब्यूटी पार्लर का कोर्स करवाने के लिए लगातार मांग आ रही थी और उनमें उधमी बनने की तमाम संभावनाएं है जो ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण से पहल के रूप में है । आज जब ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण का कार्यक्रम आयोजित हुआ तो महिलाओं और युवतियों में खुशी की लहर दौड़ गई।ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण में मुख्य रूप से थ्रेडिंग, वैक्स, फेशियल, हेयर कटिंग, हेयर स्टाइल, मेंहदी लगाना, मैनीक्योर, पेडीक्योर और मेकअप इत्यादि की थ्योरी और प्रैक्टिकल पर विशेष ध्यान दिया जाएगा ।कार्यक्रम का उद्घाटन समारोह में शोध संस्थान से नरेंद्र शर्मा ने सभी प्रतिभागियों को प्रशिक्षण के लाभों से अवगत कराया। मिलान फाउंडेशन की सुश्री सोनाली विश्वकर्मा ने महिलाओ को उद्यमी बनने के लिए वर्तमान में सरकारी और गैर सरकारी विशेष अवसरों की उपलब्धता के बारे में बताया । मुख्य प्रशिक्षक सुश्री सिमरन मारन ने प्रतिभागियों से प्रशिक्षण में सहयोग करने की बात कही और थ्रेडिंग की थ्योरी और प्रैक्टिकल से शुरूआत किया ।कार्यक्रम को सफल बनाने में महिला उद्यमी श्रीमती सरिता राठौर का सहयोग सराहनीय है।कार्यक्रम के अंत में शोध भोपाल से नरेंद्र शर्मा जी ने सभी आगंतुकों, प्रशिक्षक और सहयोगकर्ताओं को धन्यवाद ज्ञापित किया।

घरेलू गैस का हो रहा है व्यवसायिक उपयोग लग रहा है राजस्व को चूना

मुंगावली- संवाददाता जितेंद्र राय

लोगों के घरों की रसोई में काम आने वाली रसोई गैस का धड़ल्ले से दुरुपयोग हो रहा है होटलों से लेकर चाय नाश्ते की दुकानों पर धड़ल्ले से घरेलू रसोई गैस का उपयोग किया जा रहा है इस ओर ना तो कभी संबंधित विभाग के अधिकारियों का ध्यान और नजर नहीं जाती और ना ही कभी कोई धरपकड़ की बात सामने नहीं आई नतीजा है कि बेखोब होकर होटल चाय नाश्ते की दुकान वाले घरेलू गैस का उपयोग कर रहे हैं सरकारी व्यवस्था के तहत 5 किलो एवं 14.2 किलो वाला गैस सिलेंडर घरेलू उपयोग के लिए है वही 19 किलो गैस वाला सिलेंडर व्यवसायिक सिलेंडर है जिस पर सरकारी स्तर से किसी भी तरह की सब्सिडी नहीं है व्यवसायिक मैं 19 किलो वाले सिलेंडर से काम लेना चाहिए संबंधित विभाग अगर इस ओर थोड़ी ही नजर डालें तो घरेलू सिलेंडरों का दुरुपयोग नहीं होगा और व्यवसायिक सिलेंडर भी जो एजेंसी पर भरे रखे रहते हैं वह भी दुकान वाले ले जाने लगेंगे

अम्बाह थाना प्रभारी विनय यादव ने पद भार ग्रहण करते ही कराया थाने परिसर का हुलिया ठीक ठाक.

नगर की बाजार व यातायात व्यवस्था को भी देंगे नया स्वरूप...

अम्बाह... में नवागत थाना प्रभारी विनय यादव का स्थानांतरण अभी हाल ही में जिले के ही नूरावाद थाना से अम्बाह हुआ है थाना प्रभारी श्री यादव ने कार्य भार संभालते ही सर्व प्रथम अंदर बाहर से खस्ता हाल पड़े थाना परिसर को चुस्त दुरुस्त कराने की ठान ली है बर्षो से विभिन्न मामलों में जब्त किये गए अस्त व्यस्त रखे कंडम वाहनों को क्रेन व हितेची के जरिये यथोचित स्थान पर व्यवस्थित रखवाया साथ ही सी सी टी वी केमरों के सुचारु संचालन और मुख्य रिकॉर्डिंग में आड़े आ रहे पेड़ों की टहनियों को कटवाकर थाने की ठप्प पड़ी बिजली व्यवस्था को भी सुधरवाया थाना प्रभारी की इस कार्य इच्छा शक्ति एवं जन समस्या को ध्यान पूर्वक सुनने व जनता से सीधा संवाद करने की उनकी कार्य कुशलता के चर्चे मात्र कुछ ही दिनों में नगर में हो रहे हैंहमारे संबाददाता से बातचीत में श्री यादव ने कहा कि नगर व क्षेत्र में कानून व्यवस्था को हर स्थिति में बनाये रखना तथा अपराध को नियंत्रित करने का कार्य उनकी प्राथमिकता पर है अवैध रेत उत्खनन व गाँव गाँव जहरीली व अवैध शराब की बिक्री को रोकना , जुआ व सट्टा का अवैध धंधा को बन्द कराना उनके कार्यकाल के प्रमुख विन्दु होंगे ढ्ढ लोगों से प्यार से बातचीत कर समझाने का नवागत थाना प्रभारी का आकर्षक तरीका लोगों को खूब भा रहा है

पुलवामा हमले मैं शहिद हुए जवानों को श्रद्धा समन अर्पित की

पुष्पाजंली टुडे

बेंगलुरू।समुदाय टीवी द्वारा जीटी मॉल विजय नगर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने 14 फरवरी 2019 को पुलवामा आतंकवादी हमले मैं शहीद हुए सीआरपीएफ जवानों को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए युवाओं से कहा कि वैलेंटाइन डे पर आप किसी को फूल उपहार देना चाहते हैं तो एक नहीं दो फूल खरीदें पहला शहीदों को अर्पण करें एवं दूसरा अपने प्रेमी को आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया

चार साल पहले गुम रुपेश मिला पुलिस ने किया परिवार के सुपुर्द

पुष्पाजंली टुडे

मध्यप्रदेश।सिघाणा 25 जनवरी 2019 को चार साल का बच्चा रुपेश अपने पिता राकेश के साथ बस में बैठकर लोहारी से धामनोद जा रहा था । राकेश काम से खलघाट में उतरा और कुछ देर बाद बस रवाना हो गई और बच्चा बस में ही रह गया । धामनोद में पिता साथ नहीं होने से वह भटककर कहीं चला गया था । तीन दिनों तक खोजबीन करने पर भी रुपेश नहीं मिला तो परिजनों ने 28 जनवरी 2019 को धामनोद थाने में बच्चे के गुम होने की रिपोर्ट दर्ज कराई गई । पुलिस भी गुमशुदा बच्चे को खोजने के लिए चार साल से गंभीरता पूर्वक भरपूर प्रयास कर रही थी ।नर्मदा समग्र के शैलेष पंवार लोहारी को वाटसअप ग्रुप पर ग्राम चंदनखेडी में एक बच्चा लावारिस हालत में मिलने की सूचना मिली । उन्होंने मैसेज देने वाले चंदनखेडी निवासी नानुराम बघेल को बच्चे का फोटो भेजने का आग्रह किया । शैलेष पंवार ने वाट्सअप पर भेजी बच्चे की फोटो देखी तो उसका चेहरा 4 साल पहले धामनोद में गुम हुए बालक से मिलता जुलता पाया । उन्होंने चंदनखेडी के नानुराम बघेल को कुछ दिन बच्चे को अपने पास सुरक्षित रखने का आग्रह किया और ग्राम चिपराटा में बच्चे के परिजनों से सम्पर्क

कर अवगत कराया गया । शैलेष पंवार ने अगले दिन बच्चे के परिजनों को ग्राम चंदनखेडी में ले जाकर बच्चे को दिखाया । उन्होंने बालक रुपेश को देखते ही पहचान लिया । चंदनखेडी के सरपंच शेरसिंह चौहान , सुनील बघेल , मुकेश बघेल , कैलाश बघेल , वेस्ता बघेल , सुभान डालर , अमरसिंह बघेल , राजु बघेल , मालसिंह सोलंकी आदि ग्रामीणों ने चिपराटा निवासी बच्चे की माता मंजु , दादी मधु एवं काका दिनेश आदि परिजनों से बालक का पहचान ङ्क परीक्षण किया । इस पर उन्होंने बच्चे की निशानी बताई । इस परीक्षण का ग्रामीणों ने सत्यापन में बताई निशानी सही पाई तो सरपंच शेरसिंह चौहान ने ग्राम नवादपुरा के कमल पटेल से विचार ङ्क विमर्श कर बच्चा परिजनों को सौंपने के लिए सहमत हुए । इसके बाद सरपंच शेरसिंह चौहान ने धामनोद थाने पर गुम बच्चा मिलने एवं उसके चिपराटा निवासी परिजनों द्वारा पहचानने की बात से अवगत कराया । एसडीओपी राहुल करें , थाना प्रभारी राजकुमार यादव ने सहयोग किया । धामनोद थाने के उपनिरीक्षक सुरेन्द्र वास्कले , प्रधान आरक्षक दुलेसिंह सोलंकी तत्काल लोहारी आकर बच्चे के बारे में परिजनों से विस्तारपूर्वक जानकारी ली । उन्होंने कार्यवाही सम्पन्न कर बच्चा उसके परिजनों के सुपुर्द किया । ये जानकारी विजय राठौर सिघाना द्वारा दी गई

मेहसाना जिले की स्कूल सेफ्टी प्रशिक्षण का आयोजन हुआ

(गुजरात) मेहसाना जिला कक्षा की स्कूल सेफ्टी व सिक्यूरिटी तहत फोकल पॉइंट टीचर प्रशिक्षण जिला प्राथमिक शिक्षा अधिकारी डो. गौरांग भाई व्यास के मार्गदर्शन मे आयोजित हुआ 7 जिलेके कुल 100 शिक्षक गण यह प्रशिक्षण से सज्ज हुए 7 जिले के 5 शिक्षक ट्रेनर थे, विशेषज्ञ के रूप मे राज्य स्तर से चिंतन पाठक व अतुलभाई पंचाल ने प्रशिक्षण दिया 7 तालीम का सफल संचालन समग्र शिक्षा के टीचर ट्रेनिंग को. मुकेश सिंह राठौ? ने किया 7 विद्यालयोंमे सेफ्टी के तहत जोभी किया जा सकता हे वह इस प्रशिक्षण मे समजाया गया

मालनपुर पुलिस ने लग भग 3 माह पूर्व हुए अंधे कत्ल का किया खुलासा

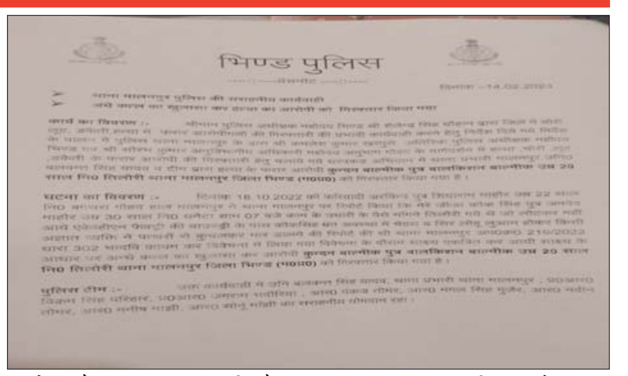

भिण्ड पुलिस

पुष्पांजली टुडे संवाददाता मालनपुर पहलवान सिंह राजावत

भिंड पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र सिंह चौहान द्वारा जिले में चोरी लूट डकैती हत्या में फरार आरोपियों की गिरफ्तारी की प्रभावी कार्रवाई करने हेतु दिशा निर्देश मैं अति पुलिस अधीक्षक कमलेश कुमार खरपुशे के मार्गदर्शन में एवं अनुविभागीय अधिकारी गोहद सौरभ कुमार के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी मालनपुर बलवंत सिंह यादव ने 3 माह पूर्व हुए अंधे कत्ल का खुलासा किया इसमें आरोपी कुंदन बाल्मिक पुत्र बालकिशन बाल्मीकि उम्र 20 साल निवासी तिलौरी पकड़ कर सख्ती से पूछताछ की तो उसने बताया कि शराब के नशे में गली गलोज झगड़ा हुआ तो हामने पत्थर से कोक सिंह को मौत घाट उतार दिया

घटना का विवरण-दिनांक 18/10/2022 को फरियादी अरविंद पुत्र शियाराम माहौर उम्र 22 साल निवासी बगथरा गोहद हाल निवासी ने मालनपूर थाना पर रिपोर्ट कि मेरे जीजा कोक सिंह पुत्र जनवेद माहौर उम्र 30 साल निवासी धनैटा साम सात बजे काम के उधारी पेसै मांगने तिलौरी गेए थे तो लौट कर नहीं आए दूसरे दिन एकेवीएन फैक्ट्री बाउंड्री के पास कोक सिंह मृतक अवस्था चेहरा व सिर लूआन होकर किसी अज्ञात व्यक्ति ने पत्थरों से कुचल कर मार डालने की रिपोर्ट की थी थाना मालनपुर अपराध क्रमांक 219/2022 धारा 302 भादवि कायम कर विवेचना में लिया गया विवेचना के दौरान साक्ष्य एककित कर आयी साक्ष्य के आधार पर अंधे कत्ल का खुलासा कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया उक्त कारवाही में उपनिरीक्षक बलवंत सिंह यादव थाना प्रभारी मालनपुर प्रधान आरक्षक विक्रम सिंह परिहार, प्रधान आरक्षक जगरामसिंह भदौरिया ,आरक्षक पंकज तोमर ,आरक्षक मंगल सिंह गुर्जर, आरक्षक नवीन तोमर, आरक्षक मनीष माझी, आरक्षक सोनू माझी, का सराहनीय योगदान रहा

भाजपा के शासन में सभी बर्ग के लोग परेशान:अनुरुद्ध सिंह

जनता के दिलों में बढ़ रहा कांग्रेश के प्रति प्यार और विश्वास :मोंटी राजावत

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

दबोह- दबोह क्षेत्र के ग्राम पंचायत अमाहा में सीसी रोड़ का उद्घाटन के अवसर पर राष्टीय युबक के 08लाख 45 हजार की लागत से गिरवर कुशवाह के मकान से नारसिंह मंदिर तक सी.सी रोड का उद्धघाटन का आज मंगलवार को कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमे मुख्यातिथि अनुरुद्ध प्रताप सिंह(मार्केटिंग अध्यक्ष लहार) अध्यक्षता मीना-मानवेन्द्र सिंह (अध्यक्ष जनपद पंचायत लहार) ने की इस दौरान सर्वप्रथम विधिविधान से गणेश पूजन कर उद्घाटन किया उद्धघाटन पर ग्रामवासियों एवं क्षेत्रवासियों को संबोधित करते हुये अनिरुद्ध प्रताप सिंह ने कहा जनता की सेवा करना ही हमारा मुख्य उद्देश्य है ग्राम पंचायत अमाहा अद्भुत पंचायत है अलग-अलग उपासना पद्धति को मानने वाले लोग यहां मिलजुलकर रहते हैं, मैं आपकी इस भावना को प्रणाम करता हूं,ग्रामपंचायत अमाहा को हम अद्भुत ग्राम पंचायत बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे यह ल मिसाल बन जाये एकता प्रेम सद्भाव भाईचारे की,विकास में हम कोई कमी नहीं रहने देंगे,मगर भाजपा किसी का भला नहीं कर सकती मध्यप्रदेश में चोरी, किसान को परेशान, गैस सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी, एमपी में शराब की बिक्री, गायों की मौत के मामले को लेकर शिवराज सरकार पर कई आरोप लगाते हुए कहा एमपी में किसानों को चौतरफा तकलीफ झेलनी पड़ रही है, कही बिजली कटौती से किसान परेशान, तो कही खाद के लिए दिनभर किसान चक्कर लगा रहे है वही जनपद पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि मानवेन्द्र की राजावत ने कहा किसी भी ग्रामवासियों को अब परेशान होने की जरूरत नही है आवास योजना,शौचालय, खाद्यान्न,पेंशन इत्यादि को लेकर किसी भी प्रकार से किसी को पैसे देने की जरुरत नही है अगर किसी ने अभी पैसे लिए हो या पैसे मांगता हो मुझे बताये छोड़ा नही जायेगा वही उन्होंने अंत मे कहा खुशी की बात है 14.80 लाख की लागत से बनने जा रहे नाले का भी ग्रामपंचायत अमाहा में भूमिपूजन किया जा रहा है जनता के दिलों में कांग्रेश के प्रति प्यार और विश्वास बढ़ रहा है इस अवसर पर सरपंच दीप्ती दीपक कुमार, काग्रेस के वरिष्ठ नेता रामेश्वर दयाल कौरव, राजेन्द्र खेमरिया,शिशुपाल सिंह, सचिव अशोक पारासर आदि मौजूद रहे।

पिछोर नगर पालिका सीएमओ की लापरवाही किसी भी समय हो सकता है बड़ा हादसा

अपार मिट्टी का ढेर सड़क के बीचो बीच किसी भी समय हो सकती है कोई गंभीर दुर्घटना

जगदीश पाल रिपोर्टर खनियाधाना

पिछोर नगरपालिका सीएमओ की लापरवाही देखने को मिल रही है लक्ष्मी चौराहे डाक बंगला मुख्य सड़क पर अपार मिट्टी का ढेर लगा हुआ है कई महीने बीत चुके हैं लेकिन मिट्टी के ढेर को अभी तक उठाया नहीं गया है बीच सड़क पर यातायात वाहन चालक हो सकते हैं किसी भी समय दुर्घटना के शिकार नगर पालिका सीएमओ के कान पर जूंआ तक नही सरक रहा है नगर पालिका में गलियों में हर जगह कचरे का ढेर लगा हुआ मुख्य मार्ग लक्ष्मी चौराहे डाक बंगला पर 4 माह से ऊपर हो चुका है लेकिन पानी की टंकी सूखी पड़ी हुई है यात्रीगण आमजन लोगों के लिए पानी पीने के लिए भी नसीब नहीं हो रहा है चारो मार्गो से लक्ष्मी चौराहा डाक बंगला जुड़ता है लेकिन कचरे का ढेर व मिट्टी का ढेर लगा हुआ है वाहन यातायात कई बार दुर्घटना के शिकार हो चुके हैं लेकिन नगर पालिका सीएमओ राघवेंद्र पालिया गहरी नींद में सो रहे साथ ही पानी की टंकी के पास हेडपंप है वह भी कई दिनों से खराब पड़ा हुआ है एवं पास में प्रतीक्षालय मौजूद है उसमें भी कचरे का ढेर लगा हुआ है एवं पास में नालियां है जोकि कचरे से भरकर चोक हो गई नगर की स्थिति काफी खराब है एवं गंदगी के कारण बीमारियां पनप रही है जिससे मनुष्य की सेहत को काफी नुकसान हो रहा

वैवाहिक एवं अन्य समारोह के दौरान बंदूक लेकर चलना एवं हर्ष फायर करने संबंधी प्रतिबंधात्मक आदेश जारी...

केशब पंडित जी पत्रकार अम्बाह..

मुरैना... जिला दण्डाधिकारी अंकित अस्थाना द्वारा दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 के अन्तर्गत मुरैना जिले की समस्त सीमाओं के अन्तर्गत वैवाहिक एवं अन्य समारोहों में बंदूक लेकर चलने एवं हर्ष फायर करने के संबंध में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया गया है। जारी प्रतिबंधात्मक आदेश में कहा है कि विवाह एवं अन्य सामाजिक समारोहों आदि में किसी भी व्यक्ति समूह या संगठन को शस्त्र लेकर चलने, भाग लेने उनके प्रदर्शन एवं हर्ष फायर करने को पूर्णतः प्रतिबन्धित किया जाता है। सभी मैरिज गार्डन /वाटिकाओं/ हॉल /होटल / धर्मशाला इत्यादि के संचालक या प्रबंधक अपने परिसर न तो इस प्रकार से शस्त्रों को लेकर चलने वाले व्यक्तियों को प्रवेश करने देंगे और न ही उनके प्रदर्शन एवं हर्ष फायर की अनुमति देंगे और न ही ऐसी गतिविधि को अपने परिसर में होने देंगे। सभी मैरिज गार्डन/ वाटिकाओं / हॉल / होटल / धर्मशाला इत्यादि के संचालक या प्रबंधक अपने परिसर संबंधित से इस बावत् अन्डर टेकिंग लिये बिना कि वह अपने वैवाहिक सामाजिक समारोह में किसी भी प्रकार के शस्त्रों का प्रदर्शन नहीं करेगा, हर्ष फायर नहीं करेगा या इन सब गतिविधियों का नहीं होने दूंगा अपना परिसर किसी भी व्यक्ति या संगठन को किसी भी प्रयोजन हेतु किराये पर नहीं देगा और यदि उसे अपने परिसर में ऐसे प्रदर्शन या गतिविधि की कोई सूचना मिलती है तो तत्काल संबंधित अनुविभागीय दण्डाधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी व पुलिस की एसडीएम एसडीओपी को सूचित करेगा। सूचित न करने पर संबंधित व्यक्ति प्रबंधक संचालक प्रतिष्ठान इत्यादि के विरुद्ध कठोर दण्डात्मक कार्यवाही की जायेगी।मुरैना जिले में प्रायः यह देखा जा रहा है कि शादी इत्यादि समारोह में लोगों द्वारा लायसेंसी शस्त्र से

हर्ष फायर किये जा रहे हैं मुरैना जिले में विवाह समारोह के दौरान किये गये हर्ष फायर के फलस्वरूप अनेकों घटनायें पूर्व में व अभी अम्बाह में दो घटना घटित हो चुकी हैं। इन घटना के फलस्वरूप व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हुए थे तथा अनेकों व्यक्तियों की मृत्यु भी हुई है। वैवाहिक कार्यक्रमों के आयोजन का समय चल रहा है। मुरैना जिले में बन्दूक लेकर शादी बारात में शामिल होना तथा वहां पर हर्ष फायर करने का प्रचलन देखा गया है। चूंकि मुरैना जिले में लायसेंसी हथियारों की संख्या बहुत है। अतः वैवाहिक एवं अन्य समारोहों के दौरान बन्दूक लेकर चलना एवं समारोह के दौरान हर्ष फायर करने पर प्रतिबन्ध लगाये जाने की दृष्टि से जिला मुरैना में धारा 144 जाफौ के अन्तर्गत कार्यवाही की आवश्यकता है। उक्त संबंध में मेरे संज्ञान में भी यह आया है कि जिले के अधिकांश आर्म्स लायसेंसी विवाह व अन्य सामाजिक समारोह आदि में अपने लायसेंसी शस्त्र साथ लेकर चलते हैं तथा उनका प्रदर्शन भी करते हैं इसे हर्ष फायरों से लोक परशांति भंग होती तथा अन्य व्यक्तियों को भय एवं असुरक्षा महसूस होती है तथा विवाह एवं अन्य सामाजिक समारोह आदि में कोई अप्रिय घटना होने का अन्देशा बना रहता है ऐसी स्थिति को दृष्टिगत रखते हुये मैं आवश्यक समझता हूँ कि भिण्ड जिले की राजस्व सीमाओं के अन्तर्गत विवाह एवं अन्य सामाजिक समारोहों आदि में शस्त्र लेकर चलने उनके प्रदर्शन तथा हर्ष फायर करने पर पूर्णतः प्रतिबंधित करने की कार्यवाही की जाये। मुझे इन तथ्यों की आकस्मिकता की तुष्टि होने से इस संबंध में तत्काल प्रतिबन्धात्मक आदेश प्रसारित किया जाना अत्यावश्यक है। चूंकि उपरोक्त परिस्थितियों के निवाणार्थ एवं उपचारार्थ तत्काल रूप से प्रतिबन्धात्मक आदेश किया जाना आवश्यक है। ऐसी स्थिति में सभी प्रभावित व्यक्तियों या संबंधित प्रत्येक व्यक्ति को सूचना देकर सुना जाना संभव नहीं है। अतः यह आदेश दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 के अन्तर्गत एकपक्षीय रूप से पारित किया जाता है। इस आदेश का उल्लंघन करने की दशा में भारतीय दण्ड संहिता की धारा 188 तथा अन्य अधिनियमों के प्रावधानों के अंतर्गत संबंधित के विरूद्ध दण्डात्मक कार्यवाही की जायेगी।

मदनीः इस्लाम जन्मा भारत में?

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

जमीयत उलेमा-ए-हिंद के मुखिया महमूद मदनी के बयान र इधर हंगामा मचा हुआ है। हमारे टीवी चैनलों पर आजकल ही सबसे बड़ा मुद्दा बना हुआ है। मदनी के इस कथन का ोई एतिहासिक प्रमाण नहीं है कि ''इस्लाम का जन्म-स्थान रब देश नहीं, भारत है। पहले नवी का जन्म भारत में ही आ है। यह मुसलमानों की मातृभूमि है। इस्लाम को विदेशी जहब मानना एतिहासिक दृष्टि से गलत है और बिल्कुल राधार है।'' ये वाक्य मदनी ने पढ़कर सुनाए थे, जमीयत के 4 वें अधिवेशन में। यों तो मदनी अपने आप में उत्तम वक्ता लेकिन यह समझ में नहीं आया कि ये विवादास्पद वाक्य न्होंने पढ़कर क्यों सुनाए? हो सकता है कि जैसे हमारे बड़े ताओं के भाषण उनके अफसर लिखकर दे देते हैं और वे न्हें श्रोताओं के सामने पढ़ डालते हैं, वैसे ही यह गलती मदनी भी हो गई है। लेकिन इस गलती के पीछे छिपी भावना को मझने की कोशिश की जाए तो लगेगा कि मदनी किसी भी ड़े से बड़े हिंदू से भी कम नहीं हैं। मदनी के पूरे भाषण का ार यह है कि भारत के मुसलमानों की श्रद्धा और आस्था का र्वोच्च केंद्र अगर कहीं है तो वह भारत में ही है। भारत जतना हिंदुओं का है, उतना ही मुसलमानों का भी है। यदि जन्ना को यह बात समझ में आ जाती तो पाकिस्तान बनता ही यों? मैं तो चाहता हूं कि मदनी, ओवैसी तथा कई मुस्लिम ता मेरे उस कथन को दोहराएं, जो कई वर्ष पहले मैंने दुबई हमारे दूतावास द्वारा आयोजित एक बड़ी सभा में कहे थे। स सभा की अगली पंक्ति में कई जाने-माने अरब शेख लोग ी बैठे थे। मैंने कहा था कि मुझे हमारे भारतीय मुसलमानों र गर्व है, क्योंकि वे दुनिया के सर्वश्रेष्ठ मुसलमान हैं। वे र्वश्रेष्ठ इसलिए हैं कि उनके रगों में पैगंबर मुहम्मद के ांतिकारी सुधारों की धारा के साथ-साथ भारतीय संस्कारों ी सदियों पुरानी पवित्र गंगा भी बहती है। मदनीजी का यह ाषण मेरे इस कथन को और भी अधिक मजबूत बनाता है, योंकि भारत के मुसलमान कौन हैं? वे सब पहले भारतीय थे, हिंदू ही थे और आजकल जिन्हें मुसलमान कहा जाता । अरब, ईरान, तुर्कीए और अफगानिस्तान से आनेवाले ौजियों और सूफी संतों की संख्या कितनी थी? अब तो नकी संतान कौन है और कौन नहीं, यह पता लगाना भी गभग असंभव है। वे विदेशी लोग आटे में नमक की तरह क-मेक हो गए हैं। इसीलिए संघ-प्रमुख मोहन भागवत ठीक कहते हैं कि हिंदु और मुसलमानों का डीएनए तो एक ही । यही बात कुछ नए ढंग से महमूद मदनी कहने की कोशिश र रहे हैं। भारत के हिंदू लोग जिस 'हिंदू' शब्द को बड़े गर्व अपने लिए बोलते हैं, वह भी उन्हें विदेशी मुसलमानों का दिया हुआ है। भारत के किसी भी प्राचीन ग्रंथ में 'हिंदू' ब्द कहीं नहीं आया है।

वेलेण्टा/इन डेः अनंग प्रेम में दाम्पत्य का उत्कमर्ष

राकेश कुमार वर्मा

सूर्योदय से पूर्व जब उषा देवी के ओजस्वीन, चर्न्द्रता(वाणी की मधुरता) प्रेमपूर्ण कमनीय सौन्देर्य से यह प्रकृति हर्षातिरेक से आच्छांदित हो जाती है, तब प्रत्येक जीव अपने कार्य में प्रवृत हो जाता है। उषा शब्द का अर्थ है - प्रकाशमान होना। उषस् सुक्ताम् में उषा को सूर्य की प्रेमिका कहा गया है, जो विलक्षण कलाओं से युक्तब आगे चलते हुए सूर्य को कीर्तिवान बनाती है।

आयतीमग्न उषसं विभाति वाममेषि द्रविणं भिसमाणः ऋषि विश्वाउमित्र कहते हैं कि हे अग्निदेव! ऐसी प्रकाशमान देवी से हवि प्राप्तो कर तुम अभीष्टक(कल्यागणकारी द्रव्यों को अर्पित करने की क्षमता) को प्राप्ती होते हो। लौकिक जीवन में इसी प्रकार मानव दाम्पात्य की सार्थकता को प्राप्ता होता है। इसके लिए एक उचित वय में परस्पेर वरण कर उन्मुसक्त् आनंद को प्राप्ता किया जा सकता है। क्योंतकि-

रूपस्य् हन्ति यशनम् बलस्यक, शोकस्यर योनि निह्मणम रतिणाम्।

अश्वघोष ने वृद्धावस्था् के दोष बताते हुए बुद्धचरित में कहा हैं कि यह रूप का हनन करने वाला, बल का क्षय करने वाला और शोक की योनि(दुःख को जन्म देने वाली) है, जहॉं आकर काम (प्रेम) का लोप हो जाता है। प्रेम के देवता कामदेव का आयुध(धनुष) गन्नेु से जबकि उसकी प्रत्यंणचा मधुमक्खी, व ति?तलियों से शोभित है।

काम कुसुम धनु सायक लीन्हे। सकल भुवन अपनें बस कीन्हे।

अर्थात् शब्द, स्पर्श, रूप, रस, गंध से युक्ती बाण इन्द्रियों के श्रोत्र, त्वचा, नेत्र, जिह्वा और नासिका को भेदकर हमें अन्ना, संतुष्टि और प्रसत्रनता के लिए तड़पाते हैं। तात्पपर्य कि उनके बाण जब किसी निर्जीव(पार्थिव) को भेदते हैं तो वह भूख, प्यासस, और कामनाओं की पूर्ति के लिए जीवंत हो उठता है। यही आकांक्षा हमारे भाग्या को निर्धारित करती है। वैसे प्रेम शारीरिक, मानसिक और आत्मिक तलों पर होता है, जिसका संबंध क्रमशः शारीरिक विज्ञान, मानसिक स्थिति और शाश्वत(सूक्ष्मसता) से है। यहॉं प्रेम का अर्थ रति से है, जो धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष के स्तेरों पर निर्भर करता है। साहित्यों् में गंगा, दमयंती, इला, बुध, गंधवती, देवयानी, सावित्री, रत्नोवली, यक्ष, यक्षिणियों के प्रेम के विविध स्वेरूप मिलते हैं। इसके अलावा द्रोपदी, कुन्तीं, अहिल्यां, तारा, मंदोदरी का एक से अधिक विवाह होने के बावजूद उन्हें् पंचकन्याह कहा जाता है । धर्म संभोग केवल संतानोत्पनत्ति का कारक है, यहां न कोई प्रेम होता है और न ही यौनसुख। अपितु यह कामरहित दायित्वाबोध है जहॉं दिति व कश्यनप ने हिरनयक्षा और हिरनकशिपु को जन्म दिया। इसी प्रकार देवहुति और कर्दम ऋषि ने सांख्यॉयोग के जनक कपिल को जबकि ऋषि वेदव्यालस धृतराष्ट , पाण्डुर और विदुर के जन्मददाता बने। काम संभोग में इंद्रियों के कामोन्मा द का शमन किया जाता है। चूंकि समलैंगिक संभोग में कोई प्रजनन नहीं होता अतः वह अर्थ संभोग है। यह सौदे के लिए गणिका, नटी और देवदासी वर्ग द्वारा किया जाता है। महाभारत में गुरु ऋण चुकाने के लिए ययाति अपनी पुत्री माधवी का विवाह चार राजाओं से करते हैं। धन प्राप्ति के लिए सत्यमवती (मत्य् भोगंधा) के पिता शांतनु से उसका विवाह करते हैं। यहॉं संभोग (काम) एक व्यापार है जहां न श्रृंगार रस है न ही वात्सेत्या। कथा सरित्सातगर में दीन ब्राम्हनण को धन देकर नपुंसक की पत्नीर को संतानसुख देने के लिए प्रेरित किया जाता है,? जिसे हम नियोग कहते हैं। वहीं जीवन और मृत्यु। के चिरकालिक चक्र से मुक्ति के लिए ऋषि अत्रि और अनुसुइया

के पुत्र मद्यपात्रधारी दत्ताा की गोद में बैठी लक्ष्मीक काम से मुक्ति की ओर संकेत करती है। तंत्रशास्त्र में मत्योता न्द्रयनाथ और गोरखनाथ की कहानियों में कदलीवन की रहस्यनमयी योगनियां उनसे ही शक्तियां बॉंटती हैं जो उनसे संभोग की क्षमता रखते हों। इस प्रकार शास्त्रों में वर्णित विभिन्नद यंत्रयोग में गृहस्थों (नागरिकों) को काम व अर्थ श्रेणी की तथा ब्रम्हरचर्य के साथ ऋषियों को यंत्रयोग अनुकरण की अनुशंसा की गई है। तांत्रिकों के लिए मोक्ष संभोग है, जो तंत्र से जुड़े वामाचार का पालन करते हैं। विवाह वस्तुॉतः एक सामाजिक अभिशरण है जो हमें मूल्योंर और उत्तकरदायित्वय से आबद्ध करता है, इसलिए कन्या दान(विवाह) को श्रेष्ठो माना गया। वात्साषयन ने यंत्रयोग सूत्रों की समरत रचना में पुरूष श्रेणी में शश, वृषभ अश्वा और स्त्रियों में मृगी, बड़वा और हस्तिानी को श्रेष्ठग माना है। इस प्रक्रिया में स्वियं कन्या , माता, पिता, भाई और अन्या संबंधियों का दृष्टिकोण भिन्नड होता है-

कन्या वरेति रूपम, माता वित्त म पिता सुखम्,
बान्ध वा कुल विच्छोन्ति, मिष्ठाकन्नभ मित्रे जना।

अर्थात् वर चयन प्रकिया में कन्याी उसके रूप, माता उसके धन, और पिता उसके भावी सुख, भाई उसके उत्ताम कुल को प्रधानता देते हैं वहीं मित्र और संबंधी विवाह में परोसे जाने वाले व्यं जनों को। समुद्र शास्त्रस में लक्षण के आधार पर कन्याी को मुख्यातः 5 भागों में विभाजित किया गया है। पद्मिनी- सुशील, आकर्षक शंखिनी- जिन्हेंक भोग-विलास प्रिय है, चित्रिणी-कलाप्रेमी, हस्तिनी-अनियंत्रित स्वेभाव और पुंश्चली- लज्जोहीन, कठोर स्वधभाव वाली। इस प्रकार उक्त लक्षणों के कारण कन्या अपनी प्रवृत्ति अनुसार विभिन्नण श्रेणियों के वर का चयन करती है। यदि किसी कारणवश विवाह नही हो पा रहा है तो कन्यान और युवक को स्वशयं इसके लिए साम, दाम, भेद सहित समस्तय योगों के साथ प्रयास करना चाहिये। ऐसी स्थिति में युवती को अपने कौमार्य की रक्षा करते हुए इच्छोनुसार वर की प्राप्ति हेतु हर संभव चेष्टात करना चाहिये। इसके लिए उसे युवक को पूर्ण विश्वाकस जीतना होगा। इच्छोशक्ति से डावाडोल युवक के वरण में उसे हानि भी उठानी पड़ सकती है जबकि श्रेष्ठ्र गुण और विशिष्टन कला में दक्ष अथवा धनवान युवक के वरण में विशेष सावधानी की आवश्यठकता होती है। ऐसे युवक के विवाहेतर संबंध की प्रबल संभावना होती है। कुछ व्यंवसाय, पेशे, कुचेष्टाभ(नागरिकता प्राप्ति में) या षडयंत्र(लव जेहाद) से जुड़े ऐसे लोग भी होते हैं जिन पर विश्वायस नहीं किया जा सकता। यौन हिंसा पश्चौत दवाब पर बनी सहमति की स्थिति में हुए विवाह को सफल नहीं माना जाता, इसलिए युवतियों को संयमित और सावधानीपूर्वक इस ओर बढ़ना चाहिये। वही युवक को भी इसी प्रकार युवती के गुण-लक्षण का विहंगावलोकन करते हुए वरण का प्रयास करना चाहिये क्योंककि, विदुर नीति के अनुसार शिश्ना और उदर के निग्रह में धैर्य अनिवार्य है और इन्हींय पर नियंत्रण खोने के कारण आज अपराध, विवाद और रोगों का सम्राज्यन व्याएसय है।

भक्तों की सहायता करते हैं ईश्वर

ईश्वर को हम भले ही न देख पाएं लेकिन ईश्वर हर क्षण हमें देख रहा होता है। उसकी दृष्टि हमेशा अपने भक्तों एवं सद्व्यक्तियों पर रहती है। अगर आप गौर करेंगे तो पाएंगे कि जीवन में कभी न कभी कठिन समय में ईश्वर स्वयं आकर आपकी सहायता कर चुके हैं। उस कठिन समय में आपके अंदर भक्ति की भावना उमड़ रही होगी और आप ईश्वर को याद कर रहे होंगे। शास्त्र कहता है कि ईश्वर के लिए संसार का हर जीव उसकी संतान के समान है। जो व्यक्ति उसके बनाये नियमों का पालन करते हुए जीवन यापन करता है ईश्वर उसकी सहायता अवश्य करते हैं। गजराज की कहानी आपने जरूर सुनी या पढ़ी होगी। नदी में गजराज को मगरमच्छ ने पकड़ लिया। इस कठिन समय में गजराज ने भगवान को पुकारा और भगवान विष्णु प्रकट हो गये। भगवान ने अपने चक्र से मगरमच्छ का सिर काट दिया और गजराज के प्राण की रक्षा की। सूरदास जी के जीवन की भी एक ऐसी ही कथा है। सूरदास जी देख नहीं सकते थे। एक बार गलती से एक गड्ढ़े में गिर गये। गड्ढ़े से निकलने का काफी प्रयास करने पर भी वह बाहर निकलने में असफल रहे। इस स्थिति में सूरदास जी ने गोपाल को पुकारा। भगवान श्री कृष्ण बालक रूप में पहुंच गये और सूरदास जी को गड्ढ़े से बाहर निकाला। मीरा के प्राण की रक्षा के लिए भगवान ने मीरा को मारने के लिए भेजे गये विष को प्रभावहीन कर दिया।

गुरु राम दास नवमी

अरविन्द प्रेमचंद जैन

राम दास या गुरू राम दास सिखों के गुरु और उन्हें गुरु की उपाधि 9 सितंबर 1574 इस में एकमत नहीं है कहीं एक सितंबर तो हीं अलग-अलग तारीख बताई जा रही है) दी गयी थी। उन दिनों जब विदेशी क्रमणकारी एक शहर के बाद दूसरा शहर ाह कर रहे थे, तब चौथे नानक गुरू राम स जी महाराज ने एक पवित्र शहर रामसर, कि अब अमृतसर के नाम से जाना जाता का निर्माण किया।

गुरू राम दास (जेठा जी) का जन्म चूना डी, लाहौर (अब पाकिस्तान में) में कार्तिक वदी 2, (25वां आसू) सम्वत 1591 (24 सितम्बर 1534) को हुआ था। माता दया कौर जी (अनूप कौर जी) एवं बाबा हरी दास जी सोढी खत्री का यह पुत्र बहुत ही सुंदर एवं आकर्षक था। राम दास जी का परिवार बहुत गरीब था। उन्हें उबले हुए चने बेच कर अपनी रोजी रोटी कमानी पड़ती थी। जब वे मात्र 7 वर्ष के थे, उनके माता पिता की मृत्यु हो गयी। उनकी नानी उन्हें अपने साथ बसर्के गाँव ले आयी। उन्होंने बसर्के में 5 वर्षों तक उबले हुए चने बेच कर अपना जीवन यापन किया। एक बार गुरू अमर दास साहिब जी, रामदास साहिब जी की नानी के साथ उनके दादा की मृत्यु पर बसर्के आये और उन्हें राम दास साहिब से एक गहरा लगाव सा हो गया। रामदास जी अपनी नानी के साथ गोइन्दवाल आ गये एवं वहीं बस गये। यहाँ भी वे अपनी रोजी रोटी के लिए उबले चने बेचने लगे एवं साथ ही साथ गुरू अमरदास साहिब जी द्वारा धार्मिक संगतों में भी भाग लेने लगे। उन्होंने गोइन्दवाल साहिब के निर्माण की सेवा की।

रामदास साहिब जी का विवाह गुरू अमरदास साहिब जी की पुत्री बीबी भानी जी के साथ हो गया। उनके यहाँ तीन पुत्रों -1. पृथी चन्द जी, 2. महादेव जी एवं 3. अरजन साहिब जी ने जन्म लिया। शादी के पश्चात रामदास जी गुरु अमरदास जी के पास रहते हुए गुरु घर की सेवा करने लगे। वे गुरू अमरदास साहिब जी के अति प्रिय व विश्वासपात्र सिक्ख थे। वे भारत के विभिन्न भागों में लम्बे धार्मिक प्रवासों के दौरान गुरु अमरदास जी के साथ ही रहते।

गुरू रामदास जी एक बहुत ही उच्च वरीयता वाले व्यक्ति थे। वो अपनी भक्ति एवं सेवा के लिए बहुत प्रसिद्ध हो गये थे। गुरू अमरदास साहिब जी ने उन्हें हर पहलू में गुरू बनने के योग्य पाया एवं 10 सितम्बर 1574 को उन्हें चतुर्थ नानक के रूप में स्थापित किया। गुरू रामदास जी ने ही चक रामदास या रामदासपुर की नींव रखी जो कि बाद में अमृतसर कहलाया। इस उद्देश्य के लिए गुरू साहिब ने तुंग, गिलवाली एवं गुमताला गांवों के जमींदारों से संतोखसर सरोवर खुदवाने के लिए जमीनें खरीदी। बाद में उन्होने संतोखसर का काम बन्द कर अपना पूरा ध्यान अमृतसर सरोवर खुदवाने में लगा दिया। इस कार्य की देख रेख करने के लिए भाई सहलो जी एवं बाबा बूढा जी को नियुक्त किया गया।

जल्द ही नया शहर (चक रामदासपुर) अन्तराष्ट्रीय व्यापार का केन्द्र होने की वजह से चमकने लगा। यह शहर व्यापारिक दृष्टि से लाहौर की ही तरह महत्वपूर्ण केन्द्र बन गया। गुरू रामदास साहिब जी ने स्वयं विभिन्न व्यापारों से सम्बन्धित व्यापारियों को इस शहर में आमंत्रित किया। यह कदम सामरिक दृष्टि से बहुत लाभकारी सिद्ध हुआ। यहाँ सिक्खों के लिए भजन-बन्दगी का स्थान बनाया गया। इस प्रकार एक विलक्षण सिक्ख पंथ के लिए नवीन मार्ग तैयार हुआ। गुरू रामदास साहिब जी ने मंजी पद्धति का संवर्द्धन करते हुए मसंद पद्धति का शुभारम्भ किया। यह कदम सिक्ख धर्म की प्रगति में एक मील का पत्थर साबित हुआ। गुरू रामदास साहिब जी ने सिख धर्म को आनन्द कारज के लिए चार लावों (फेरों) की रचना की और सरल विवाह की गुरमत मर्यादा को समाज के सामने रखा। इस प्रकार उन्होने सिक्ख पंथ के लिए एक विलक्षण वैवाहिक पद्धति दी। इस प्रकार इस भिन्न वैवाहिक पद्धति ने समाज को रूढिवादी परम्पराओं से दूर किया। बाबा श्रीचंद जी के उदासी संतों व अन्य मतावलम्बियों के साथ सौहार्दपूर्ण सम्बन्ध स्थापित किये।

योग के परमाचार्यः परमहंस निरंजनानंद सरस्वती

कुमार कृष्णन

जन्मदिन 14 फरवरी पर विशेष

बात 1956 की है। स्वामी सत्यानंद ऋषिकेश स्थित स्वामी शिवानंद के आश्रम में रह रहे थे। उन्होंने स्वामी त्यानंद को अपने पास बुलाया और हा कि आपके जाने का समय आ गया । जाओ। दुनिया में परिव्राजक की तरह मो। ... त्यान ... ड़े। ... मण ... स ... निया ... हीं ... द्याल ... कल ... अ ... हार ... क प्र ... काश ... ो पु ...

द्यालय उसका केन्द्र बन गया और वामीसत्यानंद सूत्रधार।

दुनिया का शायद ही कोई ऐसा हाद्वीप होगा जहां स्वामी सत्यानंद ने योग ा बीज न बोया हो। अरब से लेकर मरीका तक। अफ्रीका से लेकर ास्ट्रेलिया तक। स्वामी शिवानंद का रिव्राजक सन्यासी पूरी दुनिया में घूम म कर योग का बीज बो रहा था, जो ागे चल कर पुष्पित और पल्लवित होने ला था। लेकिन, एक तरफ जहां वे र्तमान की जमीन पर योग बीज रोपित र रहे थे, वहीं दूसरी तरफ, भविष्य में सके रख रखाव की योजना पर भी काम र रहे थे, ताकि फूल खिलने से पहले रझा न जाए। यह कोई दस-बीस साल ा मामला नहीं था। अब तो यह ताब्दियों का मामला है। एक पवित्र रंपरा के पुनर्जागरण काल में सिर्फ र्तमान नहीं होता। उसका अपना एक विष्य होता है, और उस भविष्य की पनी एक योजना भी। चार साल के स्वामी निरंजन इसी दैवीय योजनाका हिस्सा होकर बिहार स्कूल आफ योगा पहुंचे थे।

1964 बिहार स्कूल आफ योगा और स्वामी निरंजन दोनों के लिहाज से बहुत महत्वपूर्ण साल है। इसी साल मुंगेर में बिहार योग विद्यालय की स्थापना हुई और इसी साल चार साल के निरंजन योग विद्यालय में प्रविष्ट हुए। छत्तीसगढ़ के राजनादगांव में 14 फरबरी 1960 को ...मे स्वामी निरंजनानंद की जीवन दिशा ...के गुरु स्वामी सत्यांनद द्वारा निर्देशित ...। यहां उन्हें गुरु ने योगनिद्रा के माध्यम योग और आध्यात्म का प्रशिक्षण दिया। ...म उम्र में ही वे इतने योग्य हो चुके थे ... सन् 1971 में स्वामी सत्यानंद ने उन्हें ...नामी सन्यास परंपरा में दीक्षित करने बाद काम पर लगा दिया। उन्हें विदेशों योग केन्द्रों की स्थापना करनी थी। जहां ...ग केन्द्र स्थापित हो चुके थे उनके ...चालन को भी सुनिश्चित करना था। उन्हें सिर्फ योग समझाना था, बल्कि दुनिया विविध संस्कृतियों को समझना भी । सांस्कृतिक एकता के यौगिक सूत्रों की खोज करनी थी। अमेरिका से लेकर आस्ट्रेलिया तक। वहां उन्होंने नोबेल पुरस्कार से सम्मानित डॉ जो. कामिया के साथ विशेष तौर पर ध्यान और प्राणायाम के क्षेत्र में अनुसंधान का काम किया। सैनफ्रांन्सिस्को, कैलिफोर्निया के ग्लैडमैन मेमोरियल सेंटर के जापानी डॉ टॉडमिकुरिया ने उन पर ध्यान संबधी शोध किए।

जिस समय स्वामी निरंजनानंद विदेश के लिए निकले, उस समय स्वामी सत्यानंद के योग आंदोलन के परिणामस्वरूप केवल फ्रांस में 77 हजार पंजीकृत योग शिक्षक थे। उस समय के लिए यह बहुत बड़ी तादाद थी। उन दिनों वे सिर्फ इन योग शिक्षकों को प्रशिक्षित करते थे, ताकि वे अपने स्कूलों में लौट कर विद्यार्थियों को प्रशिक्षित कर सकें। बाद में यह आंदोलन रिसर्च ऑन योगा इन एड्यूकेशन के नाम से पूरी दुनिया में फैल गया। यूरोप में इन आंदोलन का सूत्रपात पेरिस की स्वामी योग भक्ति और

कैनेडा में स्वामी अरुन्धती ने आरंभ किया गया। इस आंदोलन का नाम योगा एड्यूकेशन इन स्कूल रखा गया। यह आंदोलन उत्तर तथा दक्षिण अमेरिका में काफी लोकप्रिय हुआ। इसके परिणाम स्वरूप अनेक देशों की शिक्षा पद्धति में मुंगेर के योग को शामिल किया गया। निरंजनानंद सरस्वती ने 11 वर्षों तक, यानी 1983 तक यानी यह सब किया। तेईस साल की उम्र में यह काम पूरा कर वह मुंगेर वापस लौट आये। सामान्य तौर पर इस उम्र में कोई नौजवान घर के बाहर कदम रखता है।

भारत लौट कर वे बिहार योग विद्यालय, शिवानंद मठ और योग संस्थान की गतिविधियों के संचालन में संलग्न हो गए। सन् 1990 में वे सन्यास परंपरा में दीक्षित हुए।1993 में सन्यास परंपरा की मार्तण्ड विभूतियों द्वारा स्वामी सत्यानंदजी के उत्तराधिकारी के रूप में अभिषिक्त हुए। सन् 1995 के शतचंडी महायज्ञ में स्वामी सत्यानंद सरस्वती ने आध्यात्मिक शक्ति उन्हें हस्तांतरित कर, परंपरा के गुरु और परमाचार्य पद पर प्रतिष्ठित किया। इस बीच स्वामी निरंजनानंद ने अथक परिश्रम से बिहार योग विद्यालय को विश्व विद्यालय की प्रतिष्ठा तक पहुँचाया। स्वामी सत्यानंद द्वारा बोये गये योग की फसल की निकाई-गोराई भी एक माली की तरह करते रहे हैं। सन् 1993 के विश्व योग सम्मेलन के बाद गंगा दर्शन में बाल योग मित्र मंडल की स्थापना की गयी। इसका आरंभ मुंगेर के सात छोटे बच्चों से किया गया और आज मुंगेर शहर में ही बाल योग मित्रमंडल 5000 से अधिक प्रशिक्षित बच्चे योग शिक्षक हैं। मुंगेर में यह तादाद 35 हजार और पूरे भारत में 1,50000 है। स्वामी निरंजनानंद सरस्वती कहते हैं– 'वाल योग मित्रमंडल को तीन लक्ष्य दिए हैं – योग के द्वारा संस्कार प्राप्त करना, योग के द्वारा ऐसी प्रतिभा को प्राप्त करना जिससे बिना किसी पर आश्रित रहे अपना जीवन चला सके और योग को आधार बनाकर अपने जीवन को संस्कृति से युक्त कर सके। संस्कार, स्वावलंवन, संस्कृति और राष्ट्र प्रेम यही वाल योग मित्रमंडल के लक्ष्य हैं।' इन बच्चों ने तीन आसनों, दो प्राणायामों, शिथिलीकरण एवं धारणा के एक–एक अभ्यास का चयन किया। यह प्रयोग सात सौ बच्चों पर किया गया और उसकी रचनात्मकता, व्यवहार और व्यक्तिगत अनुशासन पर हुए असर की जांच की गयी तो इसमें गुणात्मक परिवर्तन पाया गया। इन बच्चों को न सिर्फ योग की शिक्षा दी जाती है, बल्कि कराटे, आधुनिक नृत्य, मंत्रोच्चार, स्पोकेन इंगलिस की भी शिक्षा दी जाती है। दरअसल में स्वामी सत्यानंद सरस्वती का स्पष्ट दृष्टिकोण था कि यदि हम बच्चों तक पहुंच पाते हैं और उनके जीवन की गुणवत्ता और प्रतिभा में सुधार ला पाते हैं, तो वे अपनी रचनात्मकता का अधिकतम उपयोग कर अपने भावी जीवन के तनावों और संघर्षों का सामना बेहतर ढंग से कर पाएंगे। ये बच्चे जिला, राज्य एवं राष्ट्रीय योग मिशन के प्रमुख अंग बन गये हैं। तात्कालीन राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम दो बार मुंगेर बच्चों के कार्यक्रम में भाग लेने आए । उन्होंने मुंगेर को योग नगरी की संज्ञा दी। स्वप्रेरणा से दूसरी बार बिहार योग विद्यालय के परिसर में पधारे बिहार के तात्कालीन राज्यपाल रामनाथ कोविन्द ने अपने उद्गार में कहा था कि ' मुंगेर न केवल भारत की योग नगरी है बल्कि पूरे विश्व की योग की राजधानी है। इसमें ताकत है और वह ताकत इसलिए यहां हैं क्योंकि यहां की जो साकारात्मकता है वही सब को यहाँ खिंच लती है। ये जो योग शिक्षक यहां से निकल रहे हैं, ये जो बच्चे और बच्चियां हैं, शायद ये लोग योग के संवाहक और बिहार की जो साकारात्मक छवि है उसके लिए संवाहक बन सकते हैं।'

स्वामी निरंजनानंद ने 1994 में विश्व के प्रथम योग विश्वविद्यालय, बिहार योग भारती की तथा 2000 में योग पब्लिकेशन ट्रस्ट की स्थापना की। मुंगेर में विभिन्न गतिविधियों के संचालन के साथ उन्होंने दुनिया भर के साधकों का मार्ग दर्शन करने हेतु व्यापक रूप से यात्राएं की। सन् 2009 में गुरु के आदेशानुसार सन्यास जीवन का एक नया अध्याय आरंभ किया। योग दर्शन एवं जीवन शैली की गहन जानकारी रखने वाले स्वामी निरंजनानंद सरस्वती ने योग, तंत्र, उपनिषद पर अनेक प्रमाणिक पुस्तकें लिखी हैं। योग का मानव प्रतिभा के रूप में किस प्रकार इस्तेमाल हो इसके लिए निरंतर प्रत्यनशील हैं। उनकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि प्रचार में विश्वास न कर काम में यकीन करते हैं। काम ऐसा होना चाहिए कि लोग स्वयं प्रचार करें।

2013 के विश्व योग सम्मेलन के बाद अपनी तरह की यह पहल कुछ ऐसी ही अनूठी है जैसे साठ या सत्तर के दशक में स्वामी सत्यानंद ने विदेशों में की थी। इस सम्मेलन के बाद यौगिक पुर्नजागरण का शंखनाद किया। साथ ही, इसी साल से उन्होंने योग का प्रसाद वितरित करने के लिए योग यात्राओं का सिलसिला आरंभ किया। यौगिक शिक्षण के नए अध्याय को विकसित कर योग को शारीरिक अभ्यास की जगह जीवन शैली में विकसित करने की मुहिम चला रहे हैं। भारत की अनेक प्राचीन विद्याओं एवं परंपराओं की पुनर्पतिष्ठाओं हेतु प्रयासरत हैं। इसी श्रृंखला में वैश्विक स्तर पर योग संबधी एक रोचक घटनाक्रम आरंभ हुआ। वह था अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का प्रस्ताव, अनुमोदन और अंततः बड़े पैमाने पर आयोजन। इसी श्रृंखला में वैश्विक स्तर पर योग संबधी एक रोचक घटनाक्रम आरंभ हुआ। वह था अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का प्रस्ताव, अनुमोदन और अंततः बड़े पैमाने पर आयोजन। यह पूरी दुनिया के योग साधकों के लिए एक खास मौका सावित हुआ।

कच्चे घर की यादें

वह घर जहां होश संभाला,
जिसमें मां बाप ने हमें पाला,
वह घर चाहे भले था कच्चा,
प्यार अगाध छुपा था सच्चा,
घूम फिर कर कहीं से भी आ जाते,
सुकून आखिर घर में ही पाते,
मिलजुल कर रहने के हुए वादे,
स्मरण हो उठती हैं कच्चे घर की यादें।

आस-पड़ोस सब में खूब था प्यार,
छोटों को प्रेम बड़ों को सत्कार,
बिना मोबाइल इंटरनेट और टीवी,
बातें थी सभी की सच्ची सीधी,
खटास- तनाव का नहीं था नामो निशान,
सीमित आवश्यकताएं साधन और सामान,
होते थे सभी के नेक इरादे,
स्मरण हो उठती हैं कच्चे घर की यादें।

भूखा घर में अगर कोई आता पेट भरकर जाता,
भिखारी को कोई खाली हाथ नहीं था लौटाता,
मिलजुल कर सभी खुशियों से मनाते त्योहार,
कुछ पल का भले ही गुस्सा अच्छा था व्यवहार,
आंखों के सामने उभर आता है घर का हर कोना,
याद है चूल्हे पर चढ़ी हांडी और कहां था बिछोना,
सभी मिल बांट व्यंजन खाते ,
स्मरण हो उठती हैं कच्चे घर की यादें।

गांव के कच्चे घर भले खंडहर हो चुके,
यादों के झरोखों में सभी लम्हे रुके,
आंखों के सामने चलचित्र की तरह घूमता,
ख्यालों में खोया मन कुछ पल झूमता,
सर्दी गर्मी बारिश की बौछार से बचाया,
कच्चा होते हुए भी विरासत कहलाया,
बड़ी मजबूत थे खिड़कियां और दरवाजे,
स्मरण हो उठती हैं कच्चे घर की यादें।

त्योहार और शादियों पर घर गोबर से लीपते,
तेल के दीये की रोशनी से बच्चे पढ़ना सीखते,
दरवाजों पर नहीं जड़ता था कोई ताला,
बनकर छत्रछाया बुजुर्ग की तरह पाला,
मिट्टी से लोग रहते थे जुड़कर,
अब रह गए लोग अलग कमरों में सिकुड़कर,
बजते हैं कान में अब भी वही गाजे-बाजे,
स्मरण हो उठती हैं कच्चे घर की यादें।

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत् दिल की बीमारी का निःशुल्क उपचार

पालकों ने लिखे सरकार को आभार पत्र

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के द्वारा 0 से 18 वर्ष के बच्चों का आर.बी.एस.के. मोबाइल हेल्थ टीम द्वारा स्कूलों एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों में उपस्थित बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कर बीमारीग्रस्त बच्चों को शासकीय व्यय पर उपचार हेतु रैफर किया जाता है। तथा बच्चों को विभिन्न बीमारियों का उपचार निःशुल्क प्रदाय किया जाता है।इसी तारतम्य में जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्री राजेश शर्मा ने जानकारी देते हुये बताया कि गत जुलाई माह में भिण्ड जिले के आर.बी.एस.के. टीम द्वारा रैफर चार बच्चों की दिल की बीमारी की सर्जरी 05 लाख 53 हजार की लागत से निजी चिकित्सा संस्थान में निःशुल्क कराई गई है। जहां बच्चों की भोजन, आवास,

दवाईयां की भी निःशुल्क उपलब्धता कराई गई है। तथा सिसकती हुई बीमारी को दूर कर बच्चों को नया जीवन मिला है।आज उक्त बच्चों के पालक बच्चों को लेकर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ यूपीएस कुशवाह के समक्ष उपस्थित होकर शासन की योजना की भरपूर प्रशंसा की तथा वीरेन्द्र कुमार वर्मा, जिला प्रबंधक आरबीएसके द्वारा उपचार में तत्परता एवं विशेष सहयोग की प्रशंसा की, बच्चों के पालकों ने प्रधानमंत्री भारत सरकार एवं मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन को पोस्टकार्ड लिखकर शासन की महत्वाकांक्षी योजना आर.बी.एस.के. का आभार प्रकट किया। उक्त योजना में बेवी तृप्ती त्रिपाठी को 1 लाख 19 हजार, मास्टर अनफासुल को 2 लाख 1 हजार, मास्टर देव शिवहरे को 1 लाख 23 हजार, मास्टर वैभव प्रताप को 1 लाख 10 हजार का निजी चिकित्सा संस्थान में सर्जरी हेतु आर्थिक सहयोग प्राप्त हुआ।

अम्बाह पुलिस द्वारा हत्या के प्रयास में 11 साल से फरार आरोपी को मय कट्टा व जिन्दा राउण्ड के साथ किया गिरफ्तार...

केशब पंडित जी पत्रकार अम्बाह...

अम्बाह... पुलिस अधीक्षक मुरैना आशुतोष बागरी एवं अतिरिक्त पुलिस राय सिंह नरवरिया द्वारा जिले में अवैध हथियार व इनामी फरारी बदमाशों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत तथा एसडीओपी अम्बाह परिमाल सिंह मेहरा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी अम्वाह विनय यादव द्वारा सक्रिय कार्यवाही करते हुए आज दिनांक 14/02/23 को मुखबिर की सूचना पर में अम्वाह पुलिस द्वारा थाना डबरा सिटी जिला ग्वालियर के आप प्र. 538/12 चारा 307,34 ताहि में फरार चल रहे आरोपी को मय एक 315 बोर का देशी कट्टा तथा जिंदा राउण्ड के गिरफ्तार किया गया। आरोपी विगत 11 वर्षो से उक्त प्रकरण में फरार चल रहा था।सराहनीय भूमिका बिनय यादव थाना प्रभारी अम्बाह उनि जितेन्द्र शर्मा उनि विवेक शर्मा आर.1049 नरेन्द्र मोर्य आ. 656 सुभाष यादव, आ.543दीपक पचौरी, आ. चालक 235 बजेंद्र परमार आदि की भूमिकाएं कर रही हैं।

महाशिवरात्रि पर्व पर शिव जलाभिषेक, पंच कुंडीय गायत्री महायज्ञ एवं शिव बारात को लेकर हरदेव लोधी महिला समिति की तैयारियां शुरू

रितेश कटरे ब्युरो चीफ पुष्पांजली टुडे बालाघाट

108 उपज्योतीर्लिगों में शामिल दादा कोटेश्वर महादेव की पावन नगरी लांजी नगर मुख्यालय के साथ साथ समूचे क्षेत्र में शिव पूजा का महापर्व महाशिवरात्रि पर्व काफी धूम-धाम से मनाया जाता है। इस वर्ष 18 फरवरी को महाशिवरात्रि का पर्व है। इस बार शिव भक्तों में काफी उत्साह देखा जा रहा है।मान्यता के अनुसार महाशिवरात्रि का दिन भगवान शिव और मां पार्वती को समर्पित है। इस दिन शिव का अभिषेक करने से पापों से छुटकारा मिल जाता है।इसी कड़ी में बिसोनी के शिव मंदिर में भी इसके लिए तैयारियां शुरू कर दी गई है।मंदिरों की साज सज्जा के साथ अनुष्ठान के लिए सामग्री जुटाई जा रही है। मंदिर में कई तरह के आयोजन की रूपरेखा तैयार किया जा रही है।

इन कार्यक्रमों का होगा आयोजन-ग्राम बिसोनी मण्डल टोला के शिवमन्दिर में हरदेव लोधी महिला समिती के द्वारा 16 फरवरी व 17 फरवरी को पांच कुंडीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन ग्राम बिसोनी मण्डल टोला के शिवमन्दिर में आयोजित किया है जिसमें हरदेव लोधी महिला समिती के सदस्य श्रीमती जमुना कचलाहे, मुन्नी कुचलाहे, प्रमिला मजगाहे, मीरा पनोरे, लता कुचलाहे, पेमेश्वरी कचलाहे, शैलकुमारी करहि, प्रमिला गरुडे, सुशीला बेलघैया, सूचिता गरुड़े, सुषमा कुचलाहे, नीलेश्वरी पनोरे, भाग्यश्री करहि, चंद्रकांता करहि, संगीता करहि, ठगु ब्रम्हपुरे, सुषमा करहि, डीलेश्वरी करहि, लेखा करहि, पुष्पा कलपुरिया, तारा कुचलाहे, उर्मिला देवगड़े, सलिता बडघैया, सुगबत्ती देवगड़े, सविता करहि व कु. रोशनी कुचलाहे मीडिया प्रभारी की निगरानी व समस्त ग्रामवासी की उपस्थिति में किया जा रहा है।

17 फरवरी को निकाली जाएगी भव्य शिवबारात-17 फरवरी को संध्याकालीन समय में शिवमन्दिर से युवा समिती के अध्यक्ष बलवंत करहि के मार्गदर्शन में भगवान भोलेनाथ की शिवबारात निकाली जाएगी।18 फरवरी को सुबह 8 बजे से शिवमंदिर मे महाकाल हवन पूजन किया जाएगा। तथा समापन अवसर पर में दोपहर 2 बजे से नगरभोज का आयोजन लोकचंद कुचलाहे, अशोक करहि, मुकेश देवगड़े एवं ग्राम के समस्त भक्तगणों शिवमंदिर के समस्त कार्यकर्ताओं के सहयोग से संपन्न किया जाना है। शिवमंदिर बिसोनी मे आयोजित कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु विजय कुमार कुचलाहे, रवि गरुड़े, टिकेश्वर करहि ने आमजनों से अपिल की है।

विकास यात्रा के माध्यम से राज्यमंत्री ओपीएस भदौरिया ने जनसंपर्क कर सरकार की योजनाओं के बारे में जानकारी दी

पंकज त्रिपाठी
दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड। मध्य प्रदेश मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विकास यात्रा का शुभारंभ संत रविदास जयंती से भिंड से प्रारंभ किया था इसी यात्रा को दृष्टिकोण रखते हुए मध्य प्रदेश सरकार मैं नगरीय प्रशासन आवास राज्यमंत्री ओपीएस भदौरिया ने अपने निर्धारित मेहगांव मैं जनसंपर्क कार्यक्रम के तहत विकास यात्रा का शुभारंभ किया। इस दौरा जनता से रूबरू होते हुए केंद्र और राज्य सरकार की विकास जन कल्याण योजनाओं को जनसभा के माध्यम से जनता से रूबरू होते हुए बताइए।राज्यमंत्री श्री भदौरिया ने विकास यात्राओं के माध्यम से मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग द्वारा कार्यक्रम के दौरान जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि विकास यात्राएं बन रही है जन कल्याण का महायज्ञ जिसका उद्देश्य पं दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद और संत रविदास के गरीब कल्याण के लिए अंत्योदय की विचारधारा से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार अंतिम छोर के व्यक्ति को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का काम कर रही है सरकार की योजना के माध्यम से हर गरीब मजदूरों किसानों को लाभ मिले इसके लिए यह यात्राएं आयोजित की जा रही है आप सभी सरकार की योजना का लाभ लेकर विकास की दिशा में आगे बढ़े।उन्होंने कहां की विकास यात्रा के माध्यम से लोगों के लिए सेवा का बड़ा भाव है और यही विचारधारा को लेकर आपकी सरकार आपकी योजनाओं को लेकर यात्रा के माध्यम से हर गरीब मजदूरों किसानों तक पहुंच रही है। और कहा कि प्रदेश की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार गरीब कल्याण मजदूरों के विकास के लिए अनेक योजनाओं को संचालित कर उन्हें आत्मनिर्भर विकास की दिशा से जोड़ने का कार्य कर रही है उन्होंने कहा कि 2018 के विधानसभा चुनाव में कमलनाथ की पूर्व कांग्रेस सरकार ने मध्य प्रदेश को विकास की जगह विनाश की कगार पर खड़ा कर दिया था उनके पास कोई विकास के लिए गरीब और मजदूर किसानों के लिए नीति नहीं थी प्रदेश की भाजपा सरकार ने हर गरीब को अपनी गरीब कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से घर-घर तक पहुंचा कर लाभ दिलाने का कार्य किया है यह विकास यात्रा आपकी सरकार आपके द्वार योजना लेकर आ रही है इन योजना का लाभ अवश्य प्राप्त करें।उन्होंने कहां की सरकार पात्र हितग्राहियों को योजना का लाभ दिलाने के लिए संकल्पित ताकि कोई भी व्यक्ति योजना का लाभ लेने से वंचित न रह जाए इसके यह यक्ष लिए हम सब आगे आकर योजना का लाभ प्राप्त कर आत्मनिर्भर बने हमारी सरकार जनहित हितेषी सरकार है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने महिलाओं के लिए लाडली बहना योजना प्रारंभ की है जो कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर 8 मार्च को इस योजना के तहत फार्म भरने की प्रक्रिया प्रारंभ की जा रही है उन्होंने ग्रामीण क्षेत्र की मतदाताओं से आग्रह किया की अपने ग्राम पंचायत जनपद एवं जिला पंचायत के सभी जनप्रतिनिधि योजना का लाभ दिलाने के लिए महिलाओं के बीच पहुंचकर फार्म भरवाए ताकि उन्हें ?1000 प्रति माह की राशि उनके खाते में पहुंचाई जा सके जिसके लिए हमारे ग्राम पंचायतों के सरपंच और जनपद अध्यक्ष उपाध्यक्ष सभी जनप्रतिनिधि अपनी अहम भूमिका के साथ जन सेवा भाव से कार्य करते हुए योजना का लाभ दिलाने हेतु आगे आकर हमारी मातृशक्ति का मार्गदर्शन करें। लाडली बहना योजना के तहत महलाओं के घर घर जाकर फार्म भरा कर योजना का लाभ महिलाएं को मिल सके।भाजपा जिला अध्यक्ष देवेंद्र सिंह नरवरिया ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार की योजनाएं गरीब कल्याण के लिए बना रही है हम सब अपनी अपनी क्षेत्रों में लोगों को योजना का लाभ दिलाएं ताकि कोई भी व्यक्ति सरकार की योजना से वंचित ना रह जाए उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने किसानों गरीब मजदूरों से झूठ बोलकर सरकार बनाई थी और वह प्रदेश में योजनाओं को संचालित नहीं कर सकी 200000 तक का किसी भी किसान का कर्जा माफ नहीं किया प्रदेश की भाजपा सरकार ने हर क्षेत्र में किसानों एक गरीबों के साथ खड़े होकर उन्हें आत्मनिर्भर विकास की जोड़ने से कार्य किया है।जिला अध्यक्ष देवेंद्र नरवरिया ने कहा कि विकास यात्रा में पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने के लिए हे,मप्र में शिवराज सरकार बिजली पानी सड़क स्वास्थ्य शिक्षा के क्षेत्र में बहुत काम किया जिसके परिणाम हम सबके सामने है,।राज्यमंत्री भदौरिया ने हुए लोगों को विकास कार्यो के लिए जागृत किया विकास यात्रा के दौरान आयोजित कार्यक्रम में जनसेवा अभियान अंतर्गत स्वीकृति पत्रों का वितरण किया।और विकास रथ को हरी झंडी दिखाकर क्षेत्र के लिए रवाना किया। विकास यात्रा मैं जिला उपाध्यक्ष सुधा राठोर, मंडल अध्यक्ष गजेंद्र सिंह भदौरिया, यथा जन अभियान परिषद के सभी अधिकारी पार्टी कार्यकर्ता एवं शहर वासी तथा विभागीय अधिकारी विशेष रूप से मौजूद थे।

वैवाहिक एवं अन्य समारोहों के दौरान बंदूक लेकर चलना एवं हर्ष फायर करने संबंधी प्रतिबंधात्मक आदेश जारी

पंकज त्रिपाठी
दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । जिला दण्डाधिकारी डॉ सतीश कुमार एस द्वारा दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 के अन्तर्गत भिण्ड जिले की समस्त सीमाओं के अन्तर्गत वैवाहिक एवं अन्य समारोहों में बंदूक लेकर चलने एवं हर्ष फायर करने के संबंध में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया गया है। जारी प्रतिबंधात्मक आदेश में कहा है कि विवाह एवं अन्य सामाजिक समारोहों आदि में किसी भी व्यक्ति समूह या संगठन को शस्त्र लेकर चलने, भाग लेने उनके प्रदर्शन एवं हर्ष फायर करने को पूर्णतः प्रतिबन्धित किया जाता है। सभी मैरिज गार्डन /वाटिकाओं/ बैंक्वेट हॉल /होटल / धर्मशाला इत्यादि के संचालक या प्रबंधक अपने परिसर न तो इस प्रकार से शस्त्रों को लेकर चलने वाले व्यक्तियों को प्रवेश करने देंगे और न ही उनके प्रदर्शन एवं हर्ष फायर की अनुमति देंगे और न ही ऐसी गतिविधि को अपने परिसर में होने देंगे। सभी मैरिज गार्डन/ वाटिकाओं / बैंक्वेट हॉल / होटल / धर्मशाला इत्यादि के संचालक या प्रबंधक अपने परिसर संबंधित से इस बावत् अन्डरटेकिंग लिये बिना कि वह अपने वैवाहिक / सामाजिक समारोह में किसी भी प्रकार के शस्त्रों का प्रदर्शन नहीं करेगा, हर्ष फायर नहीं करेगा या इन सब गतिविधियों का नहीं होने दूंगा अपना परिसर किसी भी व्यक्ति या संगठन को किसी भी प्रयोजन हेतु किराये पर नहीं देगा और यदि उसे अपने परिसर में ऐसे प्रदर्शन या गतिविधि की कोई सूचना मिलती है तो तत्काल संबंधित अनुविभागीय दण्डाधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) की एस.डी.एम/ एस.डी.ओ. (पी) को सूचित करेगा। सूचित न करने पर संबंधित व्यक्ति/ प्रबंधक / संचालक / प्रतिष्ठान इत्यादि के विरुद्ध कठोर दण्डात्मक कार्यवाही की जायेगी।भिण्ड जिले में प्रायः यह देखा जा रहा है कि शादी इत्यादि समारोह में लोगों द्वारा लायसेंसी शस्त्र से हर्ष फायर किये जा रहे हैं भिण्ड जिले में विवाह समारोह के दौरान किये गये हर्ष फायर के फलस्वरूप अनेकों घटनायें पूर्व में घटित हो चुकी हैं। इन घटना के फलस्वरूप व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हुए थे तथा अनेकों व्यक्तियों की मृत्यु भी हुई है। वैवाहिक कार्यक्रमों के आयोजन का समय चल रहा है। भिण्ड जिले में बन्दूक लेकर शादी बारात में शामिल होना तथा वहां पर हर्ष फायर करने का प्रचलन देखा गया है। चूंकि भिण्ड जिले में लायसेंसी हथियारों की संख्या बहुत है। अतः वैवाहिक एवं अन्य समारोहों के दौरान बन्दूक लेकर चलना एवं समारोह के दौरान हर्ष फायर करने पर प्रतिबन्ध लगाये जाने की दृष्टि से जिला भिण्ड में धारा 144 जाफौ के अन्तर्गत कार्यवाही की आवश्यकता है। उक्त संबंध में मेरे संज्ञान में भी यह आया है कि जिले के अधिकांश आर्म्स लायसेंसी विवाह व अन्य सामाजिक समारोह आदि में अपने लायसेंसी शस्त्र साथ लेकर चलते हैं तथा उनका प्रदर्शन भी करते हैं इसे हर्ष फायरों से लोक परशांति भंग होती तथा अन्य व्यक्तियों को भय एवं असुरक्षा महसूस होती है तथा विवाह एवं अन्य सामाजिक समारोह आदि में कोई अप्रिय घटना होने का अन्देशा बना रहता है ऐसी स्थिति को दृष्टिगत रखते हुये मैं आवश्यक समझता हूँ कि भिण्ड जिले की राजस्व सीमाओं के अन्तर्गत

विवाह एवं अन्य सामाजिक समारोहों आदि में शस्त्र लेकर चलने उनके प्रदर्शन तथा हर्ष फायर करने पर पूर्णतः प्रतिबंधित करने की कार्यवाही की जाये। मुझे इन तथ्यों की आकस्मिकता की तुष्टि होने से इस संबंध में तत्काल प्रतिबन्धात्मक आदेश प्रसारित किया जाना अत्यावश्यक है। चूंकि उपरोक्त परिस्थितियों के निवाणार्थ एवं उपचारार्थ तत्काल रूप से प्रतिबन्धात्मक आदेश किया जाना आवश्यक है। ऐसी स्थिति में सभी प्रभावित व्यक्तियों या संबंधित प्रत्येक व्यक्ति को सूचना देकर सुना जाना संभव नहीं है। अतः यह आदेश दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 के अन्तर्गत एकपक्षीय रूप से पारित किया जाता है। इस आदेश का उल्लंघन करने की दशा में भारतीय दण्ड संहिता की धारा 188 तथा अन्य अधिनियमों के प्रावधानों के अंतर्गत संबंधित के विरूद्ध दण्डात्मक कार्यवाही की जायेगी।

सोशल मीडिया पर दुर्भावनापूर्ण संदेशों के प्रसारण पर पूर्णतः प्रतिबंध-जिला दण्डाधिकारी डॉ सतीश कुमार एस द्वारा सोशल मीडिया पर दुर्भावनापूर्ण संदेशों के प्रसारण पर पूर्णतः प्रतिबंध लगा दिया है। जारी प्रतिबंधात्मक आदेश में कहा है कि जिला भिण्ड राजस्व सीमाओं के भीतर दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 के आधीन यह प्रतिबन्धित आदेश प्रसारित करता हूँ कि- कोई भी व्यक्ति विभिन्न इन्टरनेट तथा सोशल मीडिया के प्लेटफार्म जैसे फेसबुक, व्हाट्सएप, ट्वीटर, एस.एम.एस., इन्स्टाग्राम इत्यादि संसाधनों का दुरूपयोग धार्मिक भावनाओं को भड़काने, जातिगत विद्वेष फैलाने, साम्प्रदायिकता को ठेस पहुंचाने एवं सामाजिक सौहार्द ध्वस्त करने के लिये नहीं करेगा। कोई भी व्यक्ति उपरोक्त वर्णित सोशल मीडिया में किसी भी प्रकार के पोस्ट, संदेश, चित्र, ऑडियो या वीडियो सम्मिलित है, जिसमें धार्मिक भावनाओं को भड़काने, जातिगत विद्वेष फैलाने, साम्प्रदायिकता को ठेस पहुंचाने एवं सामाजिक सौहार्द ध्वस्त करने भावनायें भड़क सकती हैं, को प्रसारित नहीं करेगा या नहीं भेजेगा। सोशल मीडिया के किसी भी पोस्ट जिसमें धार्मिक भावनाओं को भड़काने, जातिगत विद्वेष फैलाने, साम्प्रदायिकता को ठेस पहुंचाने एवं सामाजिक सौहार्द ध्वस्त करने की भावना भड़कती हो, को लाइक या फारवर्ड नहीं करेगा। ग्रुप एडमिन की व्यक्तिगत जिम्मेदारी होगी कि वह ग्रुप में इस प्रकार के संदेशों को रोके।

जिला दण्डाधिकारी ने कहा है कि माह फरवरी एवं मार्च में महाशिरात्रि, होली, भाईदूज, गुड़ी पड़वा, चैतीचांद, रामनवमी आदि त्यौहार मनाये जायेंगे जिसमें सभी वर्ग, समुदाय एवं धर्मों के लोगों के द्वारा सोशल मीडिया जैसे फेसबुक, व्हाट्सएप, ट्वीटर एस.एम.एस., इन्स्टाग्राम आदि के माध्यमों से सूचनाओं का आदान प्रदान किया जायेगा तथा कुछ शरारती असामाजिक तत्वों के द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से भ्रामक व आपत्तिजनक संदेशों / सूचनाओं का अनावश्यक आदान-प्रदान कर धार्मिक भावनाओं को भड़काने, जातिगत विद्वेष फैलाने, साम्प्रदायिकता को ठेस पहुंचाने एवं सामाजिक सौहार्द ध्वस्त करने की स्थिति उत्पन्न की जा सकती है। ऐसी परिस्थितियों में किसी प्रकार की अप्रिय घटना घटित होने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। अतः इन परिस्थितियों में शांति सुरक्षा व्यवस्था एवं सौहार्द पूर्ण वातावरण बनाये रखने हेतु दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 के अन्तर्गत प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की जाना अपरिहार्य है। मुझे उक्त तथ्यों की तुष्टि होती है कि उक्त त्यौहारों के दौरान असामाजिक व शरारती तत्वों द्वारा इन्टरनेट तथा सोशल मीडिया जैसे फेसबुक, व्हाट्स एप, ट्वीटर एस. एम. एस., इन्स्टाग्राम इत्यादि के माध्यमों का दुरूपयोग कर धार्मिक भावनाओं को भड़काने, जातिगत विद्वेष फैलाने, साम्प्रदायिकता को ठेस पहुंचाने एवं सामाजिक सौहार्द ध्वस्त कर सकते हैं, जिससे समाज में भय एवं असुरक्षा महसूस हो सकती है तथा कोई अप्रिय घटना होने की आशंका बन सकती है। ऐसी स्थिति में यह आवश्यक समझता हूं कि भिण्ड जिले के अन्तर्गत असामाजिक व शरारती तत्वों द्वारा इन्टरनेट तथा सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्मों पर धार्मिक, साम्प्रदायिक, जातिगत एवं सामाजिक विद्वेष तथा दुर्भावना पूर्ण संदेशों के प्रसारण को पूर्णतः प्रतिबंधित करने के लिये तथा लोक परिशांति बनाये रखने हेतु प्रतिबन्धात्मक कार्यवाही की जाये। चूंकि आगामी त्यौहारों में सामुदायिक एवं धार्मिक सद्भावना तथा लोक परिशांति बनाये रखने के लिये तत्काल रूप से प्रतिबन्धात्मक आदेश प्रसारित किया जाना आवश्यक है। ऐसी स्थिति में सभी प्रभावित व्यक्तियों एवं संबंधित प्रत्येक व्यक्ति को व्यक्तिश- सूचना देकर सुना जाना संभव नहीं है। अतः यह आदेश दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 में प्रावधानों के अन्तर्गत एकपक्षीय रूप से पारित किया जाता है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से प्रभावशील रहेगा।

जेसीआई शिवपुरी स्वर्णा द्वारा पुलवामा शहीद दिवस के अवसर पर किया रक्तदान शिविर का आयोजन एवं दी शहीदों को श्रद्धांजलि

नपा अध्यक्ष गायत्री शर्मा, कमांडेंट प्रवीण थापलिया , एवं कमांडेंट डॉक्टर लतीफ खान रहे उपस्थित47 जवानों ने किया रक्तदान

अनिल कुशवाह प्रभारी
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी–आज जेसीआई शिवपुरी स्वर्णा ने बड़ागांव सीआरपीएफ कैंपस में पुलवामा शहीद दिवस के अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमे 47 जवानों द्वारा रक्तदान किया गया सबसे पहले जेसीआई शिवपुरी स्वर्णा ने पुलवामा में शहीद हुए उन जवानों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की उसके बाद सीआरपीएफ जवानों ने रक्तदान किया जिसमें नगर पालिका अध्यक्ष गायत्री शर्मा भी इस रक्तदान शिविर में शामिल हुई और उन्होंने सभी पुलवामा में जो शहीद हुए थे उनको श्रद्धांजलि अर्पित की और देश के जवानों के लिए कहा की ये जवान देश के लिए बहुत ही मेहनत करते हैं जिसमें सीआरपीएफ कैंपस में पदस्थ कमांडेड प्रवीण थापलिया एवं कमांडेड डॉक्टर लतीफ खान उपस्थित रहे जिसमे अध्यक्ष प्रियंका शिवहरे द्वारा कहा गया 14 फरवरी 2019 को, जम्मू श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर भारतीय सुरक्षा कर्मियों को ले जाने वाले सीआरपीएफ के वाहनों के काफिले पर आत्मघाती हमला हुआ, जिसमें करीब 40 भारतीय सैनिक शहीद हो गए. वह पूरे देश के लिए कठिन और मुश्किल समय था । जिसमे अध्यक्ष जेसी प्रियंका शिवहरे, सचिव जेसी आरती जैन, जेसी कुसुम लता राठौर, जेसी नीता श्रीवास्तव, जेसी प्रियंका सोनी, जेसी स्मिता सिंघल, प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर जेसी रश्मि गोयल , जेसी रुचि मंगल , जेसी बबिता अग्रवाल, जेसी अंशु अग्रवाल, जेसी नीतू शिवहरे, जेसी माधवी सोनी , जेसी निशा गोयल , जेसी सोनिया बोबल, एवं संस्था की सभी सदस्य उपस्थित रही । एवं जेसीआई शिवपुरी स्वर्णा द्वारा अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया । इस कार्यक्रम में महानआर्यमन ब्लड डॉनेशन ग्रुप का भी सहयोग रहा अंत में सचिव जेसी आरती जैन ने सभी का आभार व्यक्त किया गया।

6 साल की मासूम का बलात्कर कर हत्या करने बाले आरोपी की संपत्ति को चला प्रशासन का बुलडोजर

अनिल कुशवाह प्रभारी
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी–खबर शिवपुरी जिले के करैरा रहरगवां की पंचायत हाथरस के बलात्कारी ल?के का घर प्रशासन के बुलडोजर ने तो?वा दिया है। इस मामले में एसडीएम करैरा का कहना है कि यह कार्रवाई ग्राम पंचायत द्वारा की गई है,यह घर अतिक्रमण में बना था,पुलिस और सुरक्षा की ग्राम पंचायत की मांग पर दी गई है।जैसा की आप बता दे है कि बीते शनिवार को करैरा थाना की सीमा में आने वाले ग्राम बडौरा में निवास करने वाली एक कुशवाहा परिवार की 6 साल की मासूम की लाश सरसो के खेत में मिली थी। उसका बलात्कार कर हत्या कर दी थी। पुलिस ने इस मामले में हाथरस गावं का रहने वाला एक 15 वर्षीय नाबालिग को आरोपी बनाया है उसे न्यायालय में पेश कर बाल सुधार ग्रह भेज दिया है।कार्यवाही के संबंध में करैरा एसडीएम दिनेश शुक्ला ने बताया कि यह कार्रवाई ग्राम पंचायत के द्वारा की गई है। ग्राम पंचायत द्वारा अवैध अतिक्रमण हटाने के दौरान सुरक्षा की मांग की गई थी जिस पर मौके पर पुलिस बल के साथ प्रशासन की टीम मौजूद रही। इस दौरान अवैध अतिक्रमण कर बनाए गए 2 कमरों के एक घर को जमींदोज किया गया है। बताया जा रहा है कि आरोपी बच्चे के परिवार घर से घटना के बाद से ही फरार है। वही एसडीएम करैरा ने मृतिका के परिवार को 50 हजार रूपए की सहायता राशि दी है।

जिले के कृषकों ने बाजरा अनुसंधान संस्थान जोधपुर में सीखी मिलेट फसल बाजरा उत्पादन की तकनीकी

अनिल कुशवाह प्रभारी
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी– राष्ट्रीय कृषि विकास योजना मिलेट मिशन वर्ष 2022-23 अंतर्गत 28 कृषकों का भ्रमण दल तकनीकी सहायक (राखासुमि) सुरेश कुमार बंसल एवं संदीप कुमार रावत के नेतृत्व में बाजरा अनुसंधान संस्थान जोधपुर सहित विभिन्न कृषि संस्थानों का भ्रमण कर गतदिवस वापस शिवपुरी लोटा है। उक्त कृषकों द्वारा भ्रमण के दौरान मिलेट फसल बाजरा उत्पादन की तकनीकी को सीखा। कृषि कल्याण तथा कृषि विकास के उपसंचालक ने बताया कि भ्रमण संस्थानों में बाजरा अनुसंधान संस्थान जोधपुर, कृषि विज्ञान केन्द्र सवाई माधोपुर, राजस्थान एग्रीकल्चर रिसर्च इंस्टीट्यूड जयपुर, कृषि विज्ञान केन्द्र अजमेर, स्वामी केशवानंद राजस्थान एग्रीकल्चर विश्वविद्यालय बीकानेर, कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर आदि स्थल शामिल है। भ्रमण में कृषकों ने विभिन्न मिलेट फसलों के साथ-साथ मिलेट फसल बाजरा से अधिक उत्पादन प्राप्त करने की उन्नत तकनीकी के गुण सीखे। कृषकों ने बताया कि कृषि अनुसंधान संस्थान, कृषि विश्वविद्यालय, कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा बाजरा फसल उत्पादन के उपरांत बिस्किट, आटा, दलिया, लड्डू आदि उत्पाद बनाकर बाजरा फसल से अधिक आय प्राप्त की जा सकती है।

जनसुनवाई में समस्या निराकरण के लिए पहुंचे आवेदक

कलेक्टर ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से सभी अनुविभागों को जोड़ा

जगदीश पाल रिपोर्टर
खनियाधाना

शिवपुरी, 14 फरवरी 2023/ प्रत्येक मंगलवार को जनसुनवाई आयोजित की जाती है जिससे नागरिकों की समस्या का त्वरित निराकरण हो सके। जन सुनवाई के दौरान न केवल शहर से बल्कि ग्रामीण क्षेत्र से भी आवेदक अपनी समस्या लेकर आते हैं। इस मंगलवार को जनसुनवाई में 127 आवेदन आए। कलेक्टर रविंद्र कुमार चौधरी ने एक-एक कर लोगों के आवेदन को सुना और संबंधित विभाग के अधिकारियों को निराकरण के निर्देश दिए। इसके अलावा कलेक्टर रविंद्र कुमार चौधरी द्वारा एक नई पहल शुरू की गई है। उन्होंने जिला स्तरीय जनसुनवाई से सभी अनुविभागों को भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जो?ने की व्यवस्था शुरू की है। जिससे अलग अलग अनुविभाग से जो शिकायतकर्ता अपने आवेदन लेकर आते हैं संबंधित एसडीएम को तत्काल अवगत कराया जा सके। इसके अलावा उन्होंने निर्देश भी जारी किए हैं कि ब्लॉक स्तर पर जनसुनवाई गंभीरता से आयोजित की जाए जिससे दूरदराज ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को अपने आवेदन देकर परेशान ना होना पड़े।

मध्य प्रदेश शासन कि ग्राम विकास यात्रा का भव्य स्वागत

पुष्पांजलि टुडे से विजय परिहार की रिपोर्ट।

दिनांक 13/ 2/ 2023 को भारतीय जनता पार्टी के मुख्यमंत्रीश्री शिवराज सिंह चौहान मध्यप्रदेश शासन द्वारा ग्राम विकास यात्रा का कार्यक्रम पूरे मध्यप्रदेश में चल रहा है जिसमें करैरा विधानसभा क्षेत्र के सिरसोद मंडल मैं टोडा करेरा से प्रारंभ होकर ग्राम पंचायत सजोर सरपंच एवं सचिव श्री हरि शंकर परिहार द्वारा स्वागत किया गया ग्राम पंचायत बरोदी से श्रीराकेश कुमार लोधी उपसरपच द्वारा विकास यात्रा का स्वागत किया गया मामूनी खुर्दमें सरपंच श्री बद्री पाल एवं सचिव श्री जितेंद्र कोली द्वारा विकास यात्रा का स्वागत किया गया उपसरपंच श्री उमेश शर्मा ग्राम पंचायत मामोनी कला श्रीमती छाया विनोद मिश्रा जी सरपंच द्वारा विकास यात्रा का भव्य स्वागत किया गया जिसमें डीजे फटाके और फूल बरसा कर भव्य स्वागत किया गया तथा सभी पदाधिकारियों को स्वल्पाहार की व्यवस्था की गई तथा ग्राम विकास यात्रा के मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी के कुक्कुट विकास निगम के अध्यक्ष राज्य मंत्री दर्जा श्री जसवंत सिंह जाटव के साथ श्री रमेश प्रसाद खटीक राज्य मंत्री दर्जा पूर्व विधायक श्री राजकुमार खटीक जी भारतीय जनता पार्टी के मंडल अध्यक्ष श्री हुकुमचंद लोधीश्री पंकज लोधी जिला जिला उपाध्यक्ष श्री बिनोद जोशी मंडल महामंत्रीश्री संतोष लोधी मंडल उपाध्यक्षभारतीय जनता पार्टी के ह्यष मोर्चा के मंडल अध्यक्ष श्री विजय सिंह परिहार युवा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष रानूलोधी जी और सरपंच संघ के अध्यक्ष अतर सिंह लोधी जी आदर्श ग्राम सिरसौद के सरपंच भारतीय जनता पार्टी के श्री विनोद कुमार जोशी श्रीबल्लू लोधी जनपद सदस्य सलैया श्रीमती सुमित्रा लोधी अजीब कमीशन से कार्यरत भारतीय जनता पार्टी के अन्य कार्यकर्ताओं के साथ सभी विभाग के अधिकारियों का भी स्वागत किया गया जिसमें करैरा जनपद ह्य श साहबश्री ब्रिमेंद सिंह गुप्ता तहसीलदार साहबश्री एसडीएम साहबश्रीदिनेशचंद्र शुक्ला मौजूद रहे स्वागत श्री मती छाया विनोद मिश्रा सरपंच मामोनी कला के सभी पंचायत द्वारा मुख्य अतिथियों को श्रीफल सोल देकर जिसमें ग्राम पंचायत के श्री कुलदीप मिस्त्र जी रिटायर आर्मी सचिव धीरज गुप्ता सहायक सचिव मोहर सिंह गुर्जर एवं पंचायत के उपसरपंच सभी पंच मौजूद रहे और ग्राम पंचायत के विकास का माननीय मंत्री महोदय जी को कई सारी जन कल्याणकारी योजना के लाभ ले रहे हितग्राहियों को अवगत कराया और माननीय जसवंत सिंह जाटव जी द्वारा भारतीय जनता पार्टी मध्यप्रदेश शासन द्वारा चलाई जा रही अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी विस्तार से दी गई तथा श्री मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान जी द्वारा 8 मार्च से प्रारंभ हो रही बहनों लाडली योजना की जानकारी दी गई जिससे महिलाओं के अंदर बड़ी खुशी नजर आई सभी पदाधिकारियों ने ग्राम पंचायत मामोनी कला के सरपंच की बड़ी प्रशंसा की

जनपद खनियांधाना में विकास यात्रा के दौरान पात्र हितग्राहियों को जनप्रतिनिधियों द्वारा किया गया हितलाभ का वितरण

जगदीश पाल रिपोर्टर खनियाधाना

शिवपुरी, जनपद पंचायत खनियांधाना क्षेत्रांतर्गत आयोजित होने वाली आज विकास यात्रा ग्राम पंचायत गजौरा से प्रारंभ हुई जहां कलश पूजन किया गया और स्व सहायता समूह की महिलाओं द्वारा कलश यात्रा निकालकर यात्रा की शुरुआत हुई। जिला पंचायत उपाध्यक्ष अमित पडेरिया, भैया साहब लोधी, दल जनप्रतिनिधि विजय कुमार तथा जिला पंचायत सदस्य प्रहलाद सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधियों द्वारा संयुक्त रूप से कलश पूजन किया गया।इस दौरान आज जनपद पंचायत खनियांधाना क्षेत्र में आयोजित विकास यात्रा कार्यक्रम में विभिन्न ग्रामों दौरा कर विकास एवं निर्माण कार्यो का भूमिपूजन एवं शिलान्यास किया। इस मौके पर हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम में जगह-जगह कलश यात्राएं भी आयोजित की गई। जिनमें जनप्रतिनिधिगण, अधिकारी एवं कर्मचारी सहित ब?ी संख्या में ग्रामीणजन हुए।विकास यात्रा में योजनाओं से लाभांवित होने वाले हितग्राहियो को प्रतीक स्वरूप हितलाभ का वितरण किया। जिसमें प्रमुख रूप से लाडली लक्ष्मी योजना, कल्याणी पेंशन, सामाजिक सुरक्षा दिव्यांग पेंशन, विधवा पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन, दिव्यांग शिक्षा प्रोत्साहन राशि, कन्या अभिभावक पेंशन, मानसिक विकलांग पेंशन, खाद्यान्न पात्रता पर्ची के हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र प्रदान किए गए। जनपद पंचायत खनियांधाना अंतर्गत विकास यात्रा रूट में आने वाले ग्राम गजौरा, नयागांव, सुजवाहा, गूगरी, पडरा, रेडीहिम्मतपुर, हीरापुर, मुहारीखुर्द, अमरपुरललन, मुहारीकलां का भ्रमण किया गया। ह्य

आज जिले के इन ग्रामों में निकाली जाएगी विकास यात्रा

शिवपुरी, जिले के सभी ग्रामों एवं शहरी क्षेत्र के वार्डों में 25 फरवरी तक विकास यात्राओं का आयोजन किया जाएगा। विकास यात्रा के दौरान निर्माण कार्य का भूमिपूजन और शासन द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं में पात्र हितग्राहियों को हितलाभ वितरण किया जाएगा।निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 15 फरवरी को विकास यात्रा जनपद पंचायत करैरा, पोहरी, खनियांधाना, बदरवास एवं नगर परिषद रन्नौद, पिछोर एवं शिवपुरी के ग्रामीण क्षेत्रों में प्रातः 8 बजे से विकास यात्रा निकाली जाएगी। जनपद पंचायत करैरा अंतर्गत विकास यात्रा रूट में आने वाले ग्राम रामनगर, झण्डा, बेरखे?ा, फतेहपुर, सिलरा, खडीचा, नेनागिरी, राजग?, रमग?ा, करही, जनपद पंचायत पोहरी अंतर्गत विकास यात्रा रूट में आने वाले ग्राम हर्रई, गुरिच्छा, बूडदा, खैरारा बनवारीपुरा, गोवर्धन, ककरौआ रहेंगे। जनपद पंचायत खनियांधाना अंतर्गत विकास यात्रा रूट में आने वाले ग्राम खिरकिट, वसाहर, रजावन, क्यारा, इमलिया, खजरा, ककरेला, पहाडपुर, टालापहाडी तथा जनपद पंचायत बदरवास अंतर्गत विकास यात्रा रूट में आने वाले ग्राम सजाई, ठाटी, बामौरकलां, माढा तथा नगर परिषद रन्नौद के वार्ड क्रमांक 1 से 15 तक समस्त वार्ड रहेंगे। जनपद पंचायत पिछोर अंतर्गत विकास यात्रा रूट में आने वाले ग्राम कुम्हरौआ, खेरोना, वीरा, मडकुडच्छा, केनवाहा, भुण्ड रहेंगे।

शिवपुरी में आज गुना बाईपास पर एसएसपी राजेश सिंह चंदेल द्वारा हुआ एक शौचालय बनने का का उद्घाटन

शिवपुरी में स्थित गुना बाईपास पर आम जनता और पुलिस कर्मियों के लिए एक शौचालय का उद्घाटन किया गया, यह उद्घाटन गेल इंडिया के द्वारा किया गया, गेल इंडिया के द्वारा पुलिस विभाग के लिए पहले भी और भी शौचालय बनाए गए हैं, उसी कड़ी में आम जनता और पुलिस विभाग के लिए गुना चौराहे पर आज एक और शौचालय का उद्घाटन एसएसपी राजेश सिंह चंदेल और गेल इंडिया के द्वारा किया गया, इसके उपरांत में वहां पर एसडीओपी अजय भार्गव एवं सिटी कोतवाली टीआई अमित भदोरिया, देहात थाना टी आई विकास यादव, फिजिकल थाना प्रभारी कृपाल सिंह राठौर, ट्रैफिक प्रभारी रणवीर सिंह यादव,और पुलिस के सदस्य मौजूद रहे ,

मस्तराम रावत की गिर गाय को प्रथम स्थान प्राप्त होने पर पुरस्कार स्वरूप 51 हजार की राशि दी गई

शिवपुरी, मुख्यमंत्री पशुपालन विकास योजना अंतर्गत जिले में भारतीय उन्नत नस्ल की दुधारू गायों के लिए पुरस्कार योजना का क्रियान्वयन जिला स्तर पर 13 एवं 14 फरवरी को सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी प्रशिक्षण संस्थान फतेहपुर रोड शिवपुरी में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी उमराव सिंह मरावी की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा किया गया। योजना अंतर्गत प्रतियोगिता में विकासखण्डों से भारतीय उन्नत नस्ल की गाय जिनका 6 लीटर से अधिक दुग्ध उत्पादन हो ऐसी दुधारू गायों की टैगिंग यूनिक आईडी से हो एवं उसकी समस्त जानकारी इनाफ पोर्टल पर दर्ज हो भाग लेने के लिए पात्र है। विकासखण्डों से प्राप्त 24 आवेदकों में से दुग्ध उत्पादन के आधार पर 10 गायों का वरियता सूची अनुसार चयन किया गया। 13 फरवरी की सुबह और शाम तथा 14 फरवरी को सुबह इस प्रकार कुल तीन समय के दुग्ध उत्पादन के आधार पर विकासखण्ड शिवपुरी के ग्राम बामौर निवासी मस्तराम रावत की गिर गाय (17.897 लीटर) को प्रथम स्थान एवं पुरस्कार स्वरूप 51 हजार की राशि दी गई। ग्राम बड़ागांव निवासी गोपाल सिंह गुर्जर की साहीवाल गाय (17.456 लीटर) को द्वितीय स्थान एवं 21 हजार रूपए की राशि तथा ग्राम जागती निवासी अशोक सिंह गुर्जर की साहीवाल गाय (16.197 लीटर) को तृतीय स्थान एवं पुरस्कार स्वरूप 11 हजार रूपए की राशि दी गई। शेष सात प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदाय किए गए।

परियोजना विभाग से दिव्यांग उदय कमार के परिवारों को नहीं मिल पा रहा कोई मदद

बूढ़ी मां दिव्यांग बेटे के लिए बाहर से लाते हैं पानी

संवाददाता हेमचंद नागेश

छुरा। गरियाबंद जिले के छुरा ब्लॉक मुख्यालय से महज 6 किलोमीटर दूरी पर ग्राम पंचायत जरगांव के कटेलपारा में निवासरत विशेष पिछड़ी कमार जनजाति के लोग आज भी शासन की योजनाओं से वंचित है एक ऐसे परिवार बेटा दिव्यांग बूढ़ी मां कैसे चला रहे हैं अपने परिवार ऐसे परिवारों से मुलाकात करने गरियाबंद जिले के समाजसेवी मनोज पहुंचते हैं और जाने उनकी हाल आप लोगों के लिए शासन क्यों ध्यान नहीं दे रहे हैं उन लोगों ने बताया हम कहीं आ जा नहीं सकते न हीं हमें कुछ जानकारी है मोबाइल भी नहीं है अपनी परेशानी दुख दर्द किसे बताएं हमारे बेटे भी गरीबी के चलते पढ़ाई से वंचित हो रहे हैं अगर हमारा शासन-प्रशासन मदद करें तो हमारा स्थिति सुधर सकता है दिव्यांग उदय कमार पेंशन योजना से भी वंचित है दिव्यांग प्रमाण पत्र का भी नहीं था जानकारी समाजसेवी मनोज पटेल ने बनवाया दिव्यांग प्रमाण पत्र ना ही कहीं आने जाने के लिए कोई

ट्राईसाईकिल मिल पाया क्योंकि इस सुविधा को लेने के लिए आय जाति निवास सभी बनाने पड़ते हैंऔर भी इस हालात में नहीं बनाने जा सके शासन भले ही कहते हैं कि दिव्यांगों के लिए सभी सुविधाएं घर पहुंच मिलेगा लेकिन ऐसा नहीं होता। न हीं मां बेटे को स्वास्थ्य सुविधा योजना का भी लाभ मिल पाया पीएम आवास योजना से भी वंचित है।बेटे का भी दिमाकी हालत ठीक नहीं कहीं ले जाने के लिए पैसे भी नहींइन परिवारों की हालत अगर ऐसे ही रहा तीनो बेटे पढ़ाई से वंचित ना हो जाए।इन परिवारों की बुरी हालत देख रो पड़े गरियाबंद जिले के समाजसेवी मनोज पटेल और कहा जिस दिन से मेरे द्वारा कमार जनजाति के धरमपुर नवजात शिशु डिलीवरी के दौरान माता जी का मृत्यु हो जाने के पश्चात बच्चे को पाउडर तक के पैसे नहीं थे इस स्थिति में मैंने उस नवजात शिशु की बड़े होते तक जिम्मेदारी ली थी उस दिन से विशेष कुछ भी कमार जनजाति लोगों को अपना एक परिवार मानता हूं। दिव्यांगों को जनपद पंचायत छुरा से भी नहीं मिल पाता मदद दिव्यांग उदय कमार के परिवारों की दुख दूर करने में मैं अपना पूरा मदद करूंगा।

वन विभाग के अमले ने घर से जब्त की 8 नग सागौन चिरान,12 नग हल्दू चिरान लकड़ी,एक आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता हेमचंद नागेश

देवभोग-वन विभाग की बड़ी कार्यवाही 13/02/2023 को मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर उपवनमंडलाधिकारी राजेन्द्र सोरी के निर्देशानुसार ग्राम नयापारा में हरिधर वल्द करन नागेश,जाति-माली साकिन नयापारा वन परिक्षेत्र इन्दागांव देवभोग के बाड़ी में तलाशी लिया गया। तलाशी के दौरान 08 नग सागौन चिरान एवं 12 नग हल्दू चिरान मिला,जिसे जप्ती कर कार्यवाही किया गया,उक्त कार्यवाही में छबी लाल ध्रुव रेंजर,दिनेशचंद्र पात्र(डिप्टी रेंजर)देवभोग,बिम्बाधर यदु(स.प.अ)अमलीपदर,लंबोदर सोरी वनरक्षक माहुलकोट,अजय चेलक वनरक्षक सहसखोल,खिलेश नगारची वनरक्षक कोतराडोंगरी,खेत्रमोहन साहू वनरक्षक ड़रीपथरा और सुरक्षा श्रमिक अनिराम जाल उपस्थित थे।

गोहरापदर हाई स्कूल में वार्षिक उत्सव का आयोजन,भारत स्काउट गाइड के छात्रों का हुआ सम्मान

संवाददाता हेमचंद नागेश

गोहरापदर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गोहरापदर में शालेय परंपरा के अनुरूप कक्षा 12वीं के छात्र छात्राओं को विदाई एवं वार्षिकोत्सव में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा वार्षिक क्रीड़ा उत्सव के पुरुस्कार वितरण का भव्य समारोह का आयोजन हुआ।इस दौरान शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के स्काउट गाइड के छात्र छात्राओं को जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय जंबूरी मे भाग लिया तथा राज्यपाल पुरस्कार प्राप्त किया है उन्हें सम्मानित किया गया विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई.कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व संसदीय सचिव गोवर्धन सिंह मांझी ने कहा की सभी विद्यार्थियों को पूरी निष्ठा के से अध्यापन करना चाहिए क्योंकि भविष्य में आपके सफल जीवन की नींव ही शिक्षा है.शिक्षित व्यक्ति समाज का हितरक्षक होता हैं.सभी बच्चों को सोच बड़ी रखनी चाहिए और कड़ी लगन के साथ मेहनत करना चाहिए तब सफलताएं आपकी कदम चूमेंगी।आने वाले समय में आप देश का भविष्य बनेंगे विद्यालय का नाम रोशन करेंगे.आप के बीच से ही कोई,बड़ा राजनेता,अधिकारी,शिक्षक बनेगा.स्काउट गाइड के अंतर्गत विद्यालय की दो छात्राओं कु.देवलक्ष्मी पांडे एवं कु.ज्योति कश्यप को राज्यपाल महोदय द्वारा पुरस्कार प्राप्त हुआ अंतर्राष्ट्रीय जम्बूरी कर्नाटक के मैंगलुरु में कक्षा ग्यारहवीं के 2 छात्र घनश्याम एवं परमानंद नागेश ने भाग लिया नेशनल जम्बूरी राजस्थान में विद्यालय के 3 छात्र मनीष सिन्हा,सौरव साहू तथा पितांबर दौरा ने भाग लिया जांच परीक्षा झांकी में विद्यालय के 2 में से 2 विद्यार्थी झसमोद चक्रधारी एवं पितांबर दौरा का चयन हुआ चयनित छात्र छात्राओं को सम्मानित एवं पुरुस्कृत किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता दिगंबर ओंटी ने की,विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा मंडल अध्यक्ष गुरुनारायण तिवारी,महाविद्यालय जनभागीदारी अध्यक्ष मेघराम बघेल,उपसरपंच अल्तमस खाँ,भाजपा नेता यादव समाज अध्यक्ष केनुराम यादव,सांसद प्रतिनिधि खगेश्वर नायक,सेवानिवृत्त शिक्षक त्रिलोचन कश्यप साथ ही प्राचार्य भूपेंद्र कुमार तिवारी,पुष्पा शर्मा,छात्रावास अधीक्षक दयाराम माँझी,विद्यालय के शिक्षक नीरज बघेल,चमन अग्रवाल, सोनम बघेल,सोहन साहू, गुलशन वैष्णव,राजेंद्र देव साहू, केसर सिन्हा,इलिसिबा बघेल,रूपचंद मांझी,प्रहलाद ठाकुर,दुष्यंत साहू,ममता बघेल,मेसराम दौरा,रविशंकर यादव एवं गणमान्य नागरिक,शाला के सभी छात्र-छात्रायें,ग्रामवासी मौजूद रहे।

ग्राम पंचायत कुहीमाल में क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन,कुरलापारा को हराकर मुड़गेलमाल की टीम चैंपियन

संवाददाता हेमचंद नागेश

मैनपुर । अमलीपदर क्षेत्र के सुदूर वंनाचल में ग्राम पंचायत कुहीमाल में बीते एक पखवाड़े से चल रहे पंचायत स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगता का समापन सोमवार को हुआ.फ़ाइनल के महामुक़ाबले में मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक डमरुधर पुजारी,अध्यक्षता सरपंच लुदरी बाई,विशिष्ट अतिथि अजजा मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य हलमन सिंह ध्रुवा,भाजपा मंडल अध्यक्ष गुरुनारायण तिवारी मौजूद रहे.फ़ाइनल के महामुक़ाबले में मुड़गेलमाल की टीम ने बड़ी आसानी से कुरलापारा को पटखनी दी.टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने उतरी मुड़गेलमाल की टीम ने धुआँधार बल्लेबाज़ी करते हुए 104 रन के स्कोर खड़ा किया,जिसके जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी कुरलापारा की टीम सिर्फ़ 35 रनो पर ऑल आउट हो गई।इस तरह प्रथम स्थान पर रही मुड़गेलमाल को 21000 एवं ट्रॉफ़ी,उपविजेता कुरलापारा को 11000 एवं ट्रॉफ़ी,तीसरे स्थान पर रही सगड़ा की टीम को 4000 एवं ट्रॉफ़ी से पुरस्कृत किया गया।यक डमरुधर पुजारी ने कहा की खेल हमारे जीवन में महत्वपूर्ण स्थान रख़ता हैं.हमारे क्षेत्र में युवाओं की क्रिकेट के प्रति बढ़ती रुचि देख मन आनंदित हो उठता हैं.हम सभी को युवाओं के हुनर को आगे लाने के लिए भरसक प्रयास करना चाहिए.इस सुदूर वनांचल क्षेत्र में भी क्रिकेट प्रतियोगिता का बढ़ता चलन और खेल प्रेमियों का उत्साह प्रशंसनीय हैं.खेल एम हार जीत लगे रहती हैं.जीत से खुश होकर शांत बैठना नहीं चाहिए और हार से निराश नहीं होना चाहिए,लगातार प्रैक्टिस कर सफलता के लिए तत्पर रहना चाहिए.क्रिकेटप्रेमियों को भाजपा अजजा मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य हलमन सिंह ध्रुवा,मंडल अध्यक्ष गुरुनारायण तिवारी ने भी सम्बोधित किया.विशेष अतिथि मोहन ध्रुवा,खुदेश्वर यादव,उरमल ओंटी,लैखन यादव,मनबोध मांझी,सोबन नेताम,रुपाधर ध्रुवा,टेकधर पटेल,डोमूराम नेताम,रघुनाथ यादव,नटवर मांझी,नेपाल यादव आदि रहे

अखिल भारतीय अमात गोंड़ समाज का 5 सर्कल एक दिवसीय वार्षिक ग्राम मरदकला में सामाजिक उत्थान पर चर्चा हेतु रखा गया बैठक

संवाददाता हेमचंद नागेश

अखिल भारतीय अमात गोंड़ समाज क्षेत्रीय पांच सर्कल का एकदिवसीय वार्षिक बैठक ग्राम मरदाकला सर्कल मरदाकला मे रखा गया , जिसमें वार्षिक लेखा जोखा हिसाब किताब किया गया व सामाजिक उत्थान के ऊपर चर्चा किया गया , खासकर उपस्थित सयानो द्वारा समाज के शिक्षा, स्वास्थ्य,व रोजगार के ऊपर चर्चा किया गया , व समाजिक निती नियम पर चर्चा किया गया हमारी संस्कृति को बनाए रखने चर्चा किया गया,व हमारे समाज को एक सुत्र मे बंधकर काम करने की बात कही गई संगठन को मजबूत करने चर्चा किया गया । बैठक मे सभापति श्री सदाराम धुर्वा उपसभा पति श्री कन्हैयालाल ठाकुर , अध्यक्ष श्री बुधराम नेताम , कोषाध्यक्ष श्री पवनसिंह नेताम , उपाध्यक्ष श्री जगतुराम धुर्वा , महिला प्रकोष्ट से श्रीमती ममता बाई मरकाम, सुखबती बाई सोरी, चन्द्र कुवर दीवान , व पांच सर्कल के अध्यक्ष श्री मकरमसिह नेताम,श्री धनसाय नागेश,श्री बलीराम नागेश श्री बलीराम नेताम श्री ढेलुराम नेताम ,श्री भुखनसिह नेताम अध्यक्ष कर्मचारी प्रकोष्ठ भाठीगढ़ राज , रामसिंह नेताम, धनीराम मरकाम व सर्कल पंचो की उपस्थिति मे कार्यक्रम सम्पन्न किया गया, कार्यक्रम का शुभारंभ श्री बुढ़ादेव की पूजा अर्चना ,आरती कर किया गया व सयानो द्वारा उत्बोधन दिया गया कार्यक्रम मे घटौद,चिन्दाभाटा ,कामेपुर, मोहदा,जंगल धवलपुर, धवलपुर डीह पारागांव,लादाबाहरा,अच्छाछड़का,बेगरपाला,मरदाकला,कुर्राबाहरा,कलकसा ,टीमनपुर के अमात गोड़ समाज के लोग बढ़ चढ़ के हिस्सा लिए कार्यक्रम का संचालन सचिव श्री रामेश्वर कपिल द्वारा किया गया। व आय व्यय की जानकारी प्रस्तुत किया गया।

समग्र शिक्षा के योजनाओं का राजिम मेला में प्रदर्शन

एफ एल एन नवाचार प्रदर्शनी बना कौतूहल

संवाददाता हेमचंद नागेश

स्कूल शिक्षा विभाग समग्र शिक्षा जिला गरियाबंद के द्वारा छत्तीसगढ़ के प्रयागराज राजिम मेले में कबाड़ से जुगाड़ एफ एल एन स्टॉल में प्रदर्शनी लगाई गई है जिसके अंतर्गत विकासखंड मैनपुर के शिक्षकों के द्वारा अंगना में शिक्षा, बैग लेस डे, एफ एल एन, निपुण भारत, टी एल एम सहित समग्र शिक्षा द्वारा संचालित समस्त कार्यक्रमों की जानकारी स्टॉल के माध्यम से दी जा रही है अंगना में शिक्षा कार्यक्रम के माध्यम से माता उन्मुखीकरण स्मार्ट माता का चयन कर प्रदर्शनी में सम्मानित किया गया स्टॉल में उल्लेखनीय प्रदर्शन करने वाले बच्चों को गिफ्ट चॉकलेट एवं पर उत्साहवर्धन किया जा रहा है शिक्षा विभाग द्वारा प्रदर्शित स्टाल में गणित हिंदी अंग्रेजी तथा विज्ञान जैसे विषयों को टी एल एम के माध्यम से सरल तथा गतिविधि पूर्ण तरीकों से अध्यापन कार्य को बताया जा रहा है। जिससे बच्चों के लिए आकर्षण का विषय बना हुआ है ।जिले के शिक्षा अधिकारी श्रीमान डीएस चौहान डीएमसी श्रीमान श्याम चंद्राकर विकास खंड शिक्षा अधिकारी श्रीमान महेश राम पटेल बीआरसीसी मैनपुर श्रीमान शिवकुमार नागे फिंगेश्वर विकास खंड शिक्षा अधिकारी श्री आरआर जोशी एवं बीआरसीसी फिंगेशवर श्रीमान टिकेंद्र यादव ने आज सराहना करते हुए एवं बधाई दी है। शिक्षा विभाग कबाड़ से जुगाड़ स्टॉल का संचालन विकासखंड मैनपुर के शिक्षक संतोष कुमार तारक के नेतृत्व मे अवतार सिन्हा, अनिल अवस्थी , पेशवर यादव, आलोक शर्मा, विनय साहू ,सरोज सेन ,सुश्री सोनाली मडामे, सीमा दास नीरा ध्रुव, पूर्णिमा बारले फनेद्र साहू, प्रेमदास मारकंडे, फिंगेश्वर से पुष्पा शुक्ला, दीप्ति मिश्रा गंडेचा ,विजेता देवानी , ,सतीश मालवीय , अनिल मेघावानी, ओनप्रकाश द्वारा किया जा रहा है। जहां प्राथमिक विद्यालय के बच्चे आकर्षित हो रहे हैं।प्रमुख आकर्षक भटकउल खेल के द्वारा गणित की चारो संक्रिया को सिखाने का सहायक शिक्षण सामग्री और प्रोजेक्टर से वीडियो , प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन होना है।

बस्तर संभाग में नक्सलियों द्वारा भाजपा नेताओ के निर्मम हत्या के विरोध में भाजयुमो ने निकाली मशाल रैली, कांग्रेस सरकार पर लगया लचर कानून व्यवस्था का आरोप

संवाददाता हेमचंद नागेश

गरियाबंद - प्रदेश मे बड़ती नक्सली हिंसा, हत्या, लुटपाट, दुष्कर्म एवं अन्य बड़ती अपराधिक गतिविधियां के विरूध्द कार्यवाही की मांग को लेकर सोमवार को भाजयुमो ने जिलाध्यक्ष योगी माखन कश्यप के नेतृत्व में पुलिस अधीक्षक के नाम डीएसपी निशा सिन्हा को ज्ञापन सौंपा। इसके पहले भाजुयमो ने देर शाम सात बजे रावनभाठा से लेकर पुलिस अधीक्षक कार्यालय तक मशाल रैली निकाली। रैली के पूर्व नारायणपुर नक्सली घटना में मृत नारायणपुर जिला भाजपा उपाध्यक्ष सागर साहू को दो मिनट मौन रख श्रध्दांजली अर्पित की गई। रैली के दौरान भाजुयमो ने राज्य की कांग्रेस

के विरूध्द लचर कानून व्यवस्था को लेकर जमकर नारेबाजी भी की। कार्यक्रम मे प्रमुख रूप से प्रदेश कार्यसमिति सदस्य विकास साहू, अभिषेक सोनकर, गरियाबंद मंडल अध्यक्ष सुरेन्द्र सोनटेके, पूर्व जिलाध्यक्ष मुकेश दासवानी, सलीम खान, प्रहलाद ठाकुर, भी शामिल हुए। इस अवसर पर भाजयुमो जिलाध्यक्ष योगीमाखन कश्यप ने कहा कि बस्तर क्षेत्र में नक्सलियों द्वारा लगातार भाजपा नेताओ को निशाना बनाया जा रहा है, हाल में नक्सलियो ने नारायणपुर में भाजपा जिला उपाध्यक्ष सागर साहू की हत्या कर दी। इसके पहले बीजापुर में मंडल अध्यक्ष नीलकंठ कक्केम व बस्तर में जिला मंत्री बुधराम करटॉप की निर्मम की गई। वही एक साल पहले विधायक भीमा मंडावी भी नक्सलियो ने हत्या कर दी थी। भाजपा नेताओ पर लगातार नक्सली हमला साजिश नजर आता है। प्रदेश में कांग्रेस सरकार के राज में लचर कानून व्यवस्था के चलते नक्सलियो के हौसले बुलंद है, दिन ब दिन उनके उत्पात बड़ते जा रहे है। इसके विरोध में ही मशाल रैली निकाल ज्ञापन सौंपा गयाज्ञापन में नारायणपुर घटना में सागर साहू की निर्मम हत्या करने वाले लोकतंत्र के हत्यारे नक्सलियो पर तत्काल कार्यवाही, पूर्व में नक्सलियो द्वारा किए गए भाजपा नेताओ की हत्या में कार्यवाही, छत्तीसगड़ में बड़ते दुष्कर्म, चाकूबाजी, गैंगवार, हत्या, अवैध गांजा तस्करी, नशीले पदार्था की ब्रिकी, जुआ सट्टा, लवजिहाद और धर्मांतरण के मामलो में कार्यवाही व रोकथाम की मांग की गई। इस अवसर पर प्रमुख रूप से जिला महामंत्री भाजुमयो युगल समदरिया, उपाध्यक्ष तोरण साहू, मंत्री प्रतीक तिवारी, रितेश यादव, दीपक तिवारी, संतोष सिन्हा, मंडल अध्यक्ष आनंद ठाकुर, राज डे, मनीष यादव, विवेक ढोंगरे, हरिशंकर मांझी, अविनाश दीवान, कुजर रामटेके, अजय ढोंगरे, गंगाधर ध्रुव, डागेश्वर कश्यप, शिव ढोंगरे, लक्ष्य ध्रव, मोहन कुलदीप, मोहन गुप्ता, हीरालाल गुप्ता, गैंदलाल ध्रुव, विकास ध्रुव, घनश्याम ध्रुव, कुलदीप ध्रुव, रघु बाम्बोड़े सहित बड़ी संख्या भाजयुमो कार्यकर्ता मौजुद थे।

विश्वास से पत्थर में प्रकट होते हैं भगवान: संत गोपाल

फूलबाग मैदान में चल रही श्रीमद् भागवत कथा एवं स्वास्थ्य मेले में धर्म और सेहत का हो रहा है संगम. कथा श्रवण के साथ ही सैकडों हाथ गढ़ रहे हैं पार्थिव शिवलिंग मन में प्रभु के प्रति सच्चा विश्वास हो तो भक्त की रक्षा के लिए पत्थर से प्रकट हो जाते हैं भगवान। संत श्रीगोपाल दास महाराज ने श्रद्धेय गुरुवाणी सेवा ट्रस्ट तथा लॉयंस क्लब ऑफ ग्वालियर के तत्वावधान में फूलबाग मैदान में आयोजित की जा रही श्रीमद् भागवत कथा एवं निःशुल्क स्वास्थ्य मेले में भागवत कथा का श्रवण कराते हुए यह बात कही।संतश्री ने कहा कि पाप के बाद कोई व्यक्ति नरकगामी हो, इसके लिए श्रीमद् भागवत में श्रेष्ठ उपाय प्रायश्चित बताया है। अजामिल उपाख्यान के माध्यम से इस बात को विस्तार से समझाया साथ ही प्रह्लाद चरित्र का भक्तिभाव से वर्णन करते हुए कहा कि भगवान नृसिंह रुप में पत्थर और लोहे से बने खंभे को फाडकर प्रगट हुए। प्रह्लाद को विश्वास था कि मेरे भगवान लोहे के खंभे में भी है और उस विश्वास को पूर्ण करने के लिए भगवान उसी में से प्रकट हुए एवं हिरण्याकश्यप का वध कर प्रह्लाद के प्राणों की रक्षा की।श्रीमद् भागवत कथा के चतुर्थ दिवस कथा व्यास गोपाल दास महाराज ने कहा कि किसी भी स्थान पर बिना निमंत्रण जाने से पहले इस बात का ध्यान जरूर रखना चाहिए कि जहां आप जा रहे है वहां आपका, अपने इष्ट या अपने गुरु का अपमान न हो। यदि ऐसा होने की आशंका हो तो उस स्थान पर नहीं जाना चाहिए। चाहे वह स्थान अपने जन्म दाता पिता का ही घर क्यों न हो। सती चरित्र के प्रसंग को सुनाते हुए बताया कि कैसे भगवान शिव की बात को नहीं मानने पर सती के पिता के घर जाने से अपमानित होने के कारण स्वयं को अग्नि में स्वाह होना

पडा।संतश्री ने महाभारत रामायण से जुडे विभिन्न प्रसंग सुनाए। साथ ही उन्होंने कहा कि परम सत्ता में विश्वास रखते हुए हमेशा सद्कर्म करते रहना चाहिए। सत्संग हमें भलाई के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करता है।

अजामिल एवं प्रहलाद चरित्र के विस्तार पूर्वक वर्णन के साथ संगीतमय प्रवचन दिए। उन्होंने कहा कि जब तक जीव माता के गर्भ में रहता है तब तक वह बाहर निकलने के लिये छटपटाता रहता है। उस समय वह जीव बाहर निकलने के लिये ईश्वर से अनेक प्रकार के वादे करता है। लेकिन जन्म लेने के पश्चात सांसारिक मोह माया में फंस कर वह भगवान से किए गए वादों को भूल जाता है। जिसके परिणामस्वरूप उसे चौरासी लाख योनी भोगनी पडती है।व्यक्ति अपने जीवन में जिस प्रकार के कर्म करता है उसी के अनुरूप उसे मृत्यु मिलती है। व्यक्ति की साधनाएउनके सत्कर्म तथा ईश्वर के प्रति अटूट श्रद्धा के परिणाम स्वरूप ही उन्हें वैकुंठ लोक प्राप्त होता है। भक्ति के लिए कोई उम्र बाधा नहीं है। भक्ति को बचपन में ही करने की प्रेरणा देनी चाहिए क्योंकि बचपन कच्चे मिट्टी की तरह होता है उसे जैसा चाहे वैसा पात्र बनाया जा सकता है। मुख्य यजमान अरविंद गोपेश्वर डंडौतिया मुरैना एवं परीक्षित ऋतु सिंह सैंगर ने कथा की आरती की।धूमधाम से मनाया जाएगा श्रीकृष्ण जन्मोत्सव, सजेंगीं झांकियांश्रद्धाभाव से मनेगा नंदोत्सवकथा में 15 फरवरी को श्रीकृष्ण जन्मोत्सव एवं नंदोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। इस दौरान मनमोहक झांकिया प्रस्तुत की जाएंगी और अनेक भजन मंडलिया अपनी प्रस्तुति देंगी।पार्थिव शिवलिंग बनाने वालों को होगा सम्म्मानश्रीमद् भागवत कथा के दौरान सवा करोड पार्थिव शिवलिंग का निर्माण भी किया जा रहा है। अभियान में जो भी श्रद्धालु शिवलिंग का निर्माण करेंगे उन्हें प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर उनका सम्मान किया जाएगा।

आज दोपहर फिर पहुंचेंगे बजरंगी नेता पवैया के आवास पर सिंधिया

ग्वालियर। राजनीति में कभी कोई सदा के लिये दोस्त और दुश्मन नहीं होता। यह बात आज एक बार फिर चरितार्थ हो रही है, क्योंकि कभी एक दूसरे के कटटर विरोधी रहे पूर्व मंत्री भाजपा के दिग्गज नेता जयभान सिंह पवैया और केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया वर्तमान में एक दूसरे के बेहद करीब आ चुके हैं। इसका उदाहरण उस समय फिर देखने को मिलेगा जब सिंधिया आज दोपहर जयभान सिंह पवैया के आवास पर पहुंचेंगे। यह तीसरा मौका होगा जब पवैया के आवास पर सिंधिया पहुंचेंगे। इससे पहले दो बार सिंधिया ने पवैया के आवास पर जाकर मुलाकात की है।पूर्व मंत्री बजरंगी नेता जयभान सिंह पवैया अपनी उदारवादी राजनीति के लिये जाने जाते है। उनका राजनीतिक कौशल किसी से छिपा नहीं है। वह कुशल वक्ता है और वर्तमान में महाराष्ट्र के सहप्रभारी भी है। यहां ज्ञांतव्य है कि 2023 के अंत में विधानसभा चुनाव होने है। इसके

लिये राजनीतिक बिसात बिछने लगी है। ग्वालियर की भाजपाई राजनीति में बड़े-बड़े दिग्गज नेता है। उन्हीं में से एक नाम पूर्व मंत्री जयभान सिंह पवैया और दूसरा नाम केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का भी है। दोनों कभी एक दूसरे के कटटर विरोधी हुआ करते है, लेकिन समय की बात देखिये आज दोनों ही बेहद नजदीक आ चुके है। सिंधिया ने कांग्रेस का दामन छोड़ा और भाजपा में आये तो किसी को इस बात पर भरोसा भी नहीं था कि कभी पवैया और सिंधिया एक दूसरे के बेहद करीब आ जायेंगे। लेकिन आज यह सब दोनों ही नेताओं की उदारवादी नीति और एक दूसरे के प्रति स्नेह से संभव हो सका है। सिंधिया स्वयं दो बार पवैया के आवास पर पहुंचे है। आज तीसरी दफा वह फिर बजरंगी नेता पवैया के आवास पर पहुंच बंद कमरे में मुलाकात करेंगे। इस मुलाकात को इसलिये भी अहम माना जा रहा है, क्योंकि यह चुनावी साल है और ग्वालियर की राजनीति में दोनों का ही दखल किसी से छिपा नहीं है। ग्वालियर विधानसभा से सिंधिया समर्थक मंत्री प्रघुम्न सिंह तोमर एक बार फिर चुनाव लड़ने के इच्छुक है। वहीं पवैया का इस विधानसभा में कितना दखल है यह किसी से छिपा नहीं है। यहां से पवैया पूर्व में विधायक और सरकार में मंत्री भी रह चुके ह

मुख्यमंत्री चौहान 17 को साडा क्षेत्र के गाँवों को विकास की सौगातें देने आयेंगे

ग्वालियर । मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान 17 फरवरी को ग्वालियर के साडा क्षेत्र में बसे गाँवों को विकास की ब?ी-ब?ी सौगातें देने आयेंगे। विकास यात्रा के दौरान ग्वालियर जिले के प्रवास पर आ रहे मुख्यमंत्री चौहान के कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) भारत सिंह कुशवाह ने अधिकारियों की बैठक ली। सोमवार को यहाँ कलेक्ट्रेट के सभागार में आयोजित हुई बैठक में राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार कुशवाह ने कहा कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान विकास कार्यों की सौगातें देने के साथ-साथ सरकार की विभिन्न योजनाओं के तहत हितलाभ भी वितरित करेंगे। साथ ही आम जनता से संवाद भी करेंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री चौहान के मुख्य आतिथ्य में साडा क्षेत्र में आयोजित होने जा रहे कार्यक्रम की पुख्ता व्यवस्था करें। व्यवस्थायें ऐसी हों जिससे आम नागरिक सुविधाजनक तरीके से कार्यक्रम स्थल पर पहुँच सकें। बैठक में कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह ने कार्यक्रम की तैयारियों के बारे में जानकारी दी। साथ ही सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी व्यवस्थायें जल्द से जल्द पूर्ण कर लें। बैठक में कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी आशीष तिवारी एवं अपर कलेक्टर एच बी शर्मा सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे

दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के वार्ड 43 में निकाली विकास यात्रा

ग्वालियर । सोमवार को विकास यात्रा के नवमें दिवस पर ग्वालियर दक्षिण विधानसभा के वार्ड क्रमांक 43 में मोर बाजार से सभापति मनोज तोमर, पूर्व मंत्री नारायण सिंह कुशवाह, पूर्व विधायक रमेश अग्रवाल, पूर्व महापौर समीक्षा गुप्ता एवं भाजपा जिलाध्यक्ष अभय चैधरी, नेता प्रतिपक्ष हरिपाल, क्षेत्रीय पार्षद संजय सिंघल, पार्षद सुश्री कन्नौजिया ने वार्ड की विभिन्न गलियों में भ्रमण कर लोगों को सरकार द्वारा किए जा रहे विकास कार्यो की जानकारी दी तथा क्षेत्र के विकास के लिए स्वच्छता में सहयोग करने की अपील की। विकास यात्रा का क्षेत्र में कई स्थानों पर नागरिकों द्वारा पुष्प वर्षाकर स्वागत किया गया तथा अनेक स्थानों पर स्वल्पहार भी विकास यात्रा में चल रहे नागरिकों को कराया गया।इस अवसर पर पूर्व सभापति गंगाराम बघेल, राकेश माहौर, पूर्व जिला अध्यक्ष कमल मखीजानी, श्रीमती नीलिमा शिन्दे, सुधीर गुप्ता, सतीश बोहरे, धर्मेन्द्र सिंह कुशवाह, सतीश साहू सहित सम्मानित वरिष्ठ नेता गण मातृशक्ति, कार्यकर्ता कार्यकर्ता गण एवं प्रशासनिक अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे। दक्षिण विधानसभा क्षेत्र की विकास यात्रा वार्ड क्र. 43 के मोर बाजार से प्रारंभ होकर सराफा बाजार, डीडवाना ओली, पाटनकर बाजार, बालबाई का बाजार, माता वाली गली, चिटनिस की गोठ से रॉक्सी पुल तक विभिन्न प्रमुख मार्गो से निकली जहां सभी नागरिकों से घर घर सम्पर्क कर निकास की जानकारी दी गई तथा नागरिकों की समस्याएं सुनकर उनके निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए। यात्रा के समापन अवसर पर विभिन्न विकास कार्यो का भूमिपूजन के साथ लाडली लक्ष्मी योजना से लाभान्वित देवी स्वरूप कन्याओं, आयुष्मान भारत कार्ड, मजदूरी कार्ड, राशन पर्ची सहित अन्य शासन की योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को प्रमाण पत्र वितरित किए। साथ ही स्वच्छता कर्मियों का सम्मान किया गया।

सिंधिया-पवैया का मिलन कहीं मप्र में नई राजनैतिक शक्ति का उदय तो नहीं....?

ग्वालियर में आज दो राजनैतिक दिग्गिजों की आज फिर मुलाकात हुई। इस मुलाकात में सिंधिया तीसरी बार बजरंगी दादा जयभान सिंह पवैया के घर पहुंचे। वह लगभग आधा घंटा एक साथ रहे और उन्होंने कई मसलों पर गुफ्तगू भी की। इतना ही नहीं दोनों ने बंद कमरे में अलग से चर्चा भी की।उधर राजनैतिक सूत्रों का कहना है कि सिंधिया जब से भाजपा में आये हैं उसके बाद से वह अपना एक दमदार साथी प्रदेश में देख रहे हैं। इसी कडी में वह बजरंगी दादा को अपने एक विश्वस्त साथी के रूप में मध्यप्रदेश में ले जाना चाहते हैं। सिंधिया का मानना है कि यदि वह ग्वालियर से चुनाव लडे तो पवैया जैसे दिग्गिज का साथ उन्हें जरूरी होगा।

पवैया अपने धारदार भाषण और भीड मैनेजमेंट में ख्याति प्राप्त है। वहीं मध्यप्रदेश में लगातार राजनैतिक समीकरण बन बिगड रहे हैं। ऐसे में सिंधिया यदि अपनी राजनीति में सफल रहते हैं तो वह पवैया को प्रमोट भी कर सकते हैं। ऐसे में वह अपने एक विश्वस्त मंत्री को गुना- शिवपुरी भेजकर पवैया को अपने मैनेजमेंट के तहत टिकट दिला सकते हैं।उधर सिंधिया और पवैया की मुलाकात से प्रदेश के अन्य भाजपाई नेताओं के कान खडे हो गये हैं। यदि सिंधिया और पवैया एक हो जाते हैं तो मप्र में एक नई राजनैतिक शक्ति का उदय हो जायेगा। ज्ञातव्य है कि पवैया बजरंग दल के सुप्रीमो रहते हुये अपनी चिर परिचित शैली के साथ पूरे देश में प्रतिष्ठा पा चुके हैं। वह इन दिनों महाराष्ट्र के सह प्रभारी भी हैं। उनकी संघ सहित भाजपा आलाकमान में बेहतर पैठ है।

आईटीएम यूनिवर्सिटी में लोक गीतों के प्रसार में ग्रामोफोन की भूमिका विषय पर संवाद कार्यक्रम आयोजित

ग्वालियर ।आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के पत्रकारिता और जनसंचार विभाग द्वारा भारत में रेडियो के 100 वर्ष पूर्ण होने और विश्व रेडियो दिवस के उपलक्ष्य में ''लोक गीतों के प्रसार में ग्रामोफोन की भूमिका'' विषय पर संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जहां मुख्य वक्ता के रूप में भारत सरकार के सूचना एवं तकनीकि विभाग के डेटा एंड स्ट्रेटजी यूनिट के प्रमुख और वरिष्ठ साहित्यकार अखिलेश झा शामिल हुये। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के चांसलर प्रो. शेर सिंह भाकर, अध्यक्षता डीन अकादमिक डॉ. रंजीत सिंह तोमर ने की। इस अवसर पर प्रो-चांसलर डॉ. एसएन खेड़कर, आईटीएम की डायरेक्टर डॉ. मीनाक्षी मजूमदार, जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग के डीन डॉ. मनीष जैसल, प्रोफेसर आरपी पांडे, प्रोफेसर शोभा भारद्वाज, भरत कुमार सिंह, सोनाली सिंह, शुभम कुशवाहा सहित विभिन्न विभागों के प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर सहित छात्र-छात्राएं शामिल हुये। कार्यक्रम का संचालन चंचल मेघानी और आभार आईटीएम के अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. मनोज मिश्रा ने किया।

ग्रामोफोन के जरिए ही ध्वनि को पहली बार पोर्टेबल बनाया गया: अखिलेश झा-आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर में ग्रामोफोन की भूमिका विषय पर आयोजित संवाद कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए भारत सरकार के सूचना एवं तकनीकि विभाग के डेटा एंड स्ट्रेटजी यूनिट के प्रमुख और वरिष्ठ साहित्यकार अखिलेश झा ने कहा कि ग्रामोफोन के जरिए ही ध्वनि को पहली बार पोर्टेबल बनाया गया। रेडियो पर ग्रामोफोन के रिकॉर्ड्स ही सुनाए जाते थे। भारत में ग्रामोफोन की सफलता में लोकगीतों का अहम योगदान है। बीते 5 दशक से जो गाने हम फिल्मों का समझकर सुनते आ रहे हैं वे दरअसल लोकगीत के ही थे। लोकगीतों में छोटी-छोटी लेकिन सच्ची बातें होती थीं। उनके विषय सामाजिक संबंध, श्रृंगार, विरह, त्यौहार, मौसम, भक्ति हुआ करते थे। लोकगीतों में लचीलापन होता था।इस दौरान श्री झा ने अपने संग्रहालय से लाए हुए ग्रामोफोन से हेमा, मिसदुलारी, गौहर जान की दुर्लभ रिकॉर्डस् भी श्रोताओं को सुनाए। इनमें उमरिया, राजा बारह बरस की, बुढ़िया मर गई जवानी निकल गई, नन्हे संईया मोरे, मकतब में, संईया प्रेमी हो गए हमारे, प्रमुख

थीं।

भारतीय संस्कृति को सहेज कर रखने में ग्रामोफोन की बड़ी भूमिका: अखिलेश झाआईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर में ग्रामोफोन की भूमिका विषय पर आयोजित संवाद कार्यक्रम में मुख्य वक्ता श्री झा ने छात्रों को बताया कि भारतीय भाषा में जो पहली आवाज ग्रामोफोन पर रिकॉर्ड हुई वह रामायण थी। भारत की विविधता और संस्कृति को सहेज कर रखने में ग्रामोफोन का बड़ा योगदान है। इसने न केवल संगीत और गानों बल्कि स्वतंत्रता सेनानियों की आवाज को भी सजों रखा है। इसने शिक्षा और मनोरंजन में भी अभूतपूर्व कार्य किया है। अखिलेश झा ने आईटीएम विश्वविद्यालय के पत्रकारिता और जनसंचार विभाग के छात्रों को जनसंचार में ग्रामोफोन की भूमिका समझाने के उद्देश्य से अपने संग्रहालय से एक ग्रामोफोन और रिकॉर्ड भेंट किया।

रेडियो की सफलता की नींव ग्रामोफोन ने ही रखी थी: प्रो. एसएस भाकर-आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर में ग्रामोफोन की भूमिका विषय पर आयोजित संवाद कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुये आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के चांसलर प्रोफेसर शेर सिंह भाकर ने कहा कि रेडियो की सफलता की नींव ग्रामोफोन ने ही रखी। रेडियो से पहले ध्वनि को रिकॉर्ड और रीप्ले करने का एकमात्र साधन ग्रामोफोन ही था।

ग्रामोफोन ने ही देहाती संस्कृति को दुनिया में दिलाई पहचान: डॉ. रंजीत सिंह तोमर

आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर में ग्रामोफोन की भूमिका विषय पर आयोजित संवाद कार्यक्रम मेंडीन अकादमिक डॉ रंजीत सिंह तोमर ने अध्यक्षीय उद्बोधन के दौरान कहा कि ग्रामोफोन के द्वारा ही गांव देहात की संस्कृति को दुनिया तक पहुंचाया जा सका। संचार के साधन ध्वस्त होने के बावजूद तुर्किये और सीरिया में रेडियो के माध्यम से ही राहत कार्य संभव हो पा रहे हैं।

गांधी जी रेडियो में शक्ति देखते थे: डॉ. मनीष जैसल-आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर में ग्रामोफोन की भूमिका विषय पर आयोजित संवाद कार्यक्रम मेंजनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग के डीन डॉ मनीष जैसल ने राष्ट्र पुरुष महात्मा गांधीजी को याद करते हुए कहा कि गांधी रेडियो में शक्ति देखते थे। उस दौर में भी रेडियो उतना ही प्रासंगिक है जितना 1940 के दौर में हुआ करता था।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478